चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 103 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 04 अप्रैल, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

अभिनेता मनोज कुमार का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिन्दी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता और पर्दे पर देशभक्ति से जुड़ी कई हिट फिल्म देने वाले अभिनेता मनोज कुमार (भारत कुमार प्रसिद्ध नाम) आज अपने फैंस की आंखें नम करके इस दुनिया को अलविदा कह गए। दिलीप कुमार को देखकर इंडस्ट्री में एक्टर बनने का सपना देखने वाले मनोज कुमार न सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता थे, बल्कि वह एक डायरेक्टर, स्क्रीनराइटर, लिरिसिस्ट और एडिटर भी थे।

अभिनेता मनोज कुमार पिछले कुछ समय से बीमार थे, जिसकी वजह से उन्हें मुंबई अंधेरी के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उनका जाना बॉलीवुड के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। मनोज कुमार के निधन के बाद उनके चाहने वाले उन्हें सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दिग्गज अभिनेता ने निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके साथ दो अनदेखी फोटोज शेयर की हैं और साथ ही उनकी फिल्मों का प्रभाव लोगों पर कैसा पड़ा ये भी बताया है।

पीएम मोदी ने शेयर की फोटो

87 साल के मनोज कुमार के निधन के बाद उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर दो फोटोज शेयर की हैं। पहली फोटो में जहां यंग मनोज कुमार कुछ लोगों के साथ बैठे हुए हैं, तो वहीं दूसरी तस्वीर में पीएम मोदी खड़े हुए हैं और मनोज कुमार चेयर पर बैठे हुए उनसे हाथ मिला रहे हैं। तस्वीर देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि वह किसी विषय पर चर्चा कर रहे हैं। इन दोनों फोटोज को शेयर करते हुए पीएम (शेष पृष्ठ-3 पर)

वक्फ बिल पास होते ही योगी सरकार का एक्शन

तालाब, पोखर, खलिहान और ग्राम समाज की भूमि कब्जे में लेगी सरकार!

लखनऊ (एजेंसी)। भारत के संसद में वक्फ संशोधन बिल पास होते ही योगी सरकार ने वक्फ बोर्ड द्वारा अवैध रूप से घोषित संपत्तियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया शुरू कर दिया है। सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अभियान चलाकर ऐसी वक्फ संपत्तियों की पहचान करें जो राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं हैं और जिन्हें नियमों के विरुद्ध वक्फ घोषित किया गया है। इन संपत्तियों को चिन्हित कर आगे जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व विभाग के अनुसार, यूपी में वक्फ बोर्ड (शेष पृष्ठ-3 पर)

सामाजिक-आर्थिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों (लोकसभा /राज्यसभा) में वक्फ संशोधन विधेयक के पास होने पर खुशी जताई है। उनहोंने कहा कि यह कदम सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के सामूहिक प्रयास की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए मददगार होगा जो लंबे समय से हाशिये पर हैं, जिन्हें आवाज उठाने और अवसर दोनों से वंचित रखा गया है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि दशकों से वक्फ प्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी का पर्याय बन गई है, जिससे विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं, गरीब मुसलमानों और पसमांदा मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंच रहा है।

अन्याय व भ्रष्टाचार के युग का अंत : शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'X' पर लिखा 'आज का दिन ऐतिहासिक है, जब संसद ने 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025' को मंजूरी देकर वर्षों से चले आ रहे अन्याय और भ्रष्टाचार के युग को समाप्त कर न्याय और समानता के युग की शुरुआत की है। इस विधेयक के माध्यम से वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियां अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और न्यायपूर्ण बनेंगी। इससे निस्संदेह मुस्लिम समुदाय के गरीबों, महिलाओं और बच्चों को लाभ होगा। करोड़ों लोगों को न्याय दिलाने वाले इस महत्वपूर्ण विधेयक के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू को बधाई देता हूं। साथ ही, इसका समर्थन करने वाले सभी दलों और सांसदों का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।'

चैत्र नवरात्र

सप्तम कालरात्रि

आज मां भगवती के सातवें स्वरूप कालरात्रि की पूजा अर्चना होगी। देवी का यह स्वरूप अनंत एवं व्यापक है। कालरात्रि अर्थात काल को जीतने वाली। जन्म, पालन और काल। देवी के तीन स्वरूप। सृष्टि संयोजन और संचालन इन्हीं काली जी की कृपा का फल है। एक बार शिवजी ने देवी को काली कह दिया। इस कारण उनका नाम काली पड़ गया। माता काली की पूजा से सब कुछ सिद्ध होता है। इस रात्रि अखंड ज्योति जलाकर काले तिलों से पूजन करने एवं जप-तप करने से मां काली प्रसन्न होती हैं। रात्रि में यज्ञ करने से साधक के मनोरथ पूर्ण होते हैं। इनकी उपासना का सिद्ध मंत्र है।

अर्टिगा कार में लाये तस्करी की शराब, दो गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हरियाणा से अर्टिगा कार में शराब लेकर आ रहे दो तस्करों को थाना दनकौर पुलिस ने गिरफ्तार किया है पुलिस ने उनके पास से 11 पेटी शराब की बरामद की है। थाना प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक अर्टिगा कार में दो लोग हरियाणा की शराब लेकर यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे सर्विस रोड से गलगोटिया की तरफ आएंगे। सूचना के आधार पर पुलिस ने गलगोटिया कॉलेज के पास वाली सर्विस रोड पर चेकिंग शुरू कर दी। इस दौरान मुखबिर ने एक अर्टिगा कार को देखकर बताया कि इसमें ही हरियाणा से शराब लाई जा रही है। पुलिसकर्मियों ने कार चालक को रोकने का इशारा किया पुलिस को देखकर कार में बैठे दो व्यक्तियों ने भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस कर्मियों ने उन्हें दबोच लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 7 पेटी रॉयल चैलेंज क्लासिक प्रीमियम तथा 4 पेटी रॉयल स्टेग प्रीमियम व्हिस्की की बरामद हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम सागर पुत्र मुकेश कुमार व आकाश पुत्र राकेश निवासी किराड़ी कॉलोनी नांगलोई नई दिल्ली बताया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

वक्फ बिल पास होने के बाद यूपी में अलर्ट

पुलिस ने कई शहरों में निकाला फ्लैग मार्च

लखनऊ (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद आज पहला जुमा है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में तनाव के मद्देनजर फ्लैग मार्च निकाला गया। लखनऊ, नोएडा, बहराइच, अयोध्या, झांसी, मेरठ में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया और शरारती तत्वों को माहौल न बिगाड़ने की ताकीद की। डीजीपी ने सभी जिलों को प्रमुख स्थानों पर चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

वक्फ बिल पास होने के बाद यूपी में हाईअलर्ट है। वक्फ बिल पास होने के बाद यूपी में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। संवेदनशील जिलों में अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की गई है और ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। वहीं सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट पर सख्त निगरानी की जा रही है।

गौतमबुद्धनगर में भी पुलिस अलर्ट है। एसीपी-4 ग्रेटर नोएडा ने थाना जेवर क्षेत्र के कस्बा जेवर में पुलिस कर्मियों के साथ फ्लैग मार्च निकाला। जनपद के कई अन्य इलाकों में भी फ्लैग मार्च निकाला गया है।

एनटीपीसी में लाइनमैन ने की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी स्थित एनटीपीसी प्लांट में रेलवे पटरी के पास बने रेलवे ट्रैक गार्ड रूम में एक व्यक्ति का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है और वह संविदा पर एनटीपीसी प्लांट में लाइनमैन के रूप में कार्यरत था।

थाना प्रभारी सुमनेश कुमार ने बताया कि आज सुबह पुलिस को सूचना मिली कि एनटीपीसी प्लांट में रेलवे पटरी के पास बने रेलवे ट्रैक गार्ड रूम में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जांच के दौरान मृतक की पहचान अजय कुमार (49 वर्ष) पुत्र राजेश्वर प्रसाद निवासी ग्राम पटाड़ी के रूप में हुई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

संजीव निगम फिर बने आप के प्रवक्ता

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनावों के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कई राज्यों के प्रदेश प्रभारियों व प्रदेश अध्यक्षों में फेरबदल किया था। इसी प्रकार से प्रदेशों में भी प्रदेश स्तर से लेकर जिला, विधानसभा और बूथ स्तर तक संगठन को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इसी कड़ी में राज्य सभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के दिशा निर्देश पर उत्तर प्रदेश में प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता एडवोकेट वंशराज दुबे ने प्रदेश प्रवक्ताओं को पुनर्गठित करते हुए पहली (शेष पृष्ठ-3 पर)

ईस्टर्न पेरिफेरल पर लगे कैमरों की केबल चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना क्षेत्र के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर इलेक्ट्रिकल कॉपर केबल चोरी कर ली। यह केवल एक्सप्रेस वे पर निगरानी के लिए लगे कैमरे से जुड़ी हुई थी। इस संबंध में थाना कासना में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है।

पंचवटी कॉलोनी गाजियाबाद में रहने वाले पंकज गौतम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर निगरानी के लिए जगह-जगह कैमरे लगाए गए हैं। 31 मार्च की रात्रि को अज्ञात चोरों ने एक्सप्रेसवे पर लगे कैमरे की विद्युत केबल चोरी कर ली। उन्होंने बताया कि यह केवल एक कमरे को दूसरे कमरे से जोड़ने तथा कंट्रोल सेंटर में कैमरे की फुटेज दिखाने में काम आती है। केबल चोरी होने की वजह से कई कैमरे भी ऑफ हो गए। जानकारी मिलने पर उन्होंने जांच पड़ताल की लेकिन चोरों का कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

योगी सरकार की शराब लाटरी योजना में 'धांधली का कांटा'!

गाजियाबाद में एक ही व्यक्ति को दो दुकानें आवंटित

गाजियाबाद (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में शराब के ठेकों के आवंटन के लिये कुछ दिन पहले लाटरी प्रक्रिया के माध्यम से योजना प्रारंभ की गई थी जिसमें पूरे प्रदेश में भांग एवं शराब के ठेकों का वितरण लाटरी के माध्यम से होना था। इसी प्रक्रिया के बीच में यह योजना सवालों के घेरे में आ गई है। दरअसल जिला ग़ाजियाबाद में आवंटित 4 माडल शाप के वितरण में धाँधली की आशंका व्यक्त की जा रही है।

गाजियाबाद के अटल चौक वसुंधरा की दुकान संख्या 9367 एवं सेक्टर 10 वसुंधरा की दुकान संख्या 9380 दोनों बड़ी माडल शाप एक ही व्यक्ति को दे दी गयी हैं जिनकी आवेदन संख्या क्रमश MS 14025010739 एवं MS 14025010740 है। दोनो दुकानों के लिये लगभग 98 लोगों ने आवेदन किया था किन्तु दोनो दुकानों का एक ही व्यक्ति को आवंटित हो जाना पूरी प्रक्रिया को संदेह के दायरे में ला चुका है।

इसी प्रकार इसी जिले की दो और बड़ी माडल दुकानें एक ही व्यक्ति को आवंटित कर दी गईं हैं। प्रताप विहार ग़ाजियाबाद की दुकान संख्या 9538 एवं जिला गाजियाबाद के पटेलनगर की दुकान संख्या 6890 भी एक ही व्यक्ति को आवंटित की गई हैं। ये दोनों दुकान भी आस पास हैं एवं इनकी आवेदन संख्या क्रमशः MS 14025003435 एवं MS 14025003432 है जिनके लिये लगभग 44 लोगों ने आवेदन दिया था किन्तु दोनों दुकानें एक ही व्यक्ति को आवंटित कर दी गई। अन्य जिलों से भी ऐसी ही धाँधली के आरोप सामने आ रहे हैं।

इस योजना के सवालों के घेरे में आ जाने से आवेदकों में काफी रोष देखा जा रहा है। आने वाली 8 अप्रैल को इस योजना के तीसरे एवं अतिंम चरण का परिणाम घोषित किया जाना अभी बाकी है।

गांजा बेचते 3 महिलाओं सहित पांच गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने अलग-अलग स्थान से मादक पदार्थ बेचने के आरोप में तीन महिलाओं सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से गांजा बरामद हुआ है। थाना सेक्टर-20 पुलिस की टीम सेक्टर-18 में गश्त कर रही थी। पुलिस टीम सेक्टर-18 की मल्टी लेवल कार पार्किंग के पास पहुंची तो पार्क में बने सार्वजनिक शौचालय के पास तीन महिलाएं पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास करने लगी। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने महिलाओं को पूछताछ के लिए रोक लिया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मी ने महिलाओं की तलाशी ली तो उनके पास से 560 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में महिलाओं ने अपने नाम शहनाज खातून उर्फ अजमेरु, चांदनी खातून तथा मुस्कान बताया। तीनों महिलाओं ने बताया कि वह नशे के आदी लोगों को गांजे की बिक्री करती हैं। तीनों महिलाओं के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किया है। इसी थाना क्षेत्र की पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर सेक्टर-19 स्थित शनि बाजार पार्क के पास से इमरान पुत्र इरफान निवासी सेक्टर-8 नोएडा को हिरासत में लिया। तलाशी में इसके पास से 370 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह गांजे की पुड़िया बनाकर उनकी बिक्री करता है। वहीं थाना सेक्टर-113 (शेष पृष्ठ-3 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

सरस्वती शिशु मंडल अध्यक्ष को लेकर तीन दावेदारों में रस्साकशी तेज

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर अध्यक्ष के चयन के बाद अब नोएडा महानगर में गठित 8 मंडलों में से बाकी सरस्वती शिशु मंडल अध्यक्ष को लेकर रस्साकशी तेज हो गयी है।

बता दें कि कुछ माह पूर्व नोएडा महानगर के 8 मंडलों में से 7 मंडलों के अध्यक्ष घोषित कर दिए गए थे। सिर्फ सरस्वती शिशु मंडल के अध्यक्ष का चयन होना बाकी रह गया था। अभी तक इस मंडल के अध्यक्ष सत्य नारायण महावर थे। लेकिन किसी कारण इस मंडल की घोषणा ठंडे बस्ती में डाल दी गई थी।

सरस्वती शिशु मंडल में अध्यक्ष पद के तीन प्रमुख दावेदार हैं। जिसमें सत्यनारायण महावर, दीपक शर्मा तथा

अमित नागपाल बताये जाते हैं। दीपक शर्मा के नाम पर मंडल के कार्यकर्ताओं का यह कहना है कि 8 में से 3 मंडलों के अध्यक्ष पहले से ही ब्राहमण बिरादरी के हैं। इसलिए चौथे मंडल की जिम्मेदारी यदि ब्राहमण को मिलती है तो यह न्यायोचित नहीं होगा।

उनका कहना है कि सत्यनारायण महावर वैश्य बिरादरी से हैं तथा इस पद पर रह चुके हैं। तीसरे दावेदार यानी अमित नागपाल को मौका मिलना चाहिए। अमित नागपाल पंजाबी बिरादरी से हैं तथा रजत बिहार आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष भी हैं।

मालूम हो कि शहीद भगत सिंह मंडल के अध्यक्ष गोपाल शर्मा, पं. दीनदयाल उपाध्याय मंडल के अध्यक्ष शशिधर उपाध्याय तथा कृष्णानगर मंडल के अध्यक्ष मनीष तिवारी हैं। तीनों ही ब्राह्मण बिरादरी से हैं।

सेक्टर-12 तथा 11 में कई बूथों के अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी अमित नागपाल के पक्ष में ही खड़े नजर आ रहे हैं। अब देखना यह है कि तीनों में से मंडल अध्यक्ष का सेहरा किसके सिर बंधेगा।

बुल्डोजर न्याय

यह पहली बार नहीं है कि देश की शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई न्याय के नैसर्गिक नियमों का उल्लंघन है। लेकिन ऐसी बलपूर्वक की गई कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद पिछले दिनों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी नजर आई। कोर्ट का कहना था कि यह बुलडोजरी अन्याय केवल झुग्गियों व मकानों को ही नहीं गिरा रहा है, बल्कि यह कानून की उचित प्रक्रिया व अनुच्छेद 21 का भी अतिक्रमण है। जो हर नागरिक के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है। शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में घरों को गिराए जाने को अमानवीय और अवैध बताते हुए शहरी विकास प्राधिकरण को प्रत्येक पीड़ित घर के मालिक को दस लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान घटी उस घटना को तंत्र की संवेदनहीनता बताया जिसमें बुलडोजर द्वारा झोपड़ी गिराए जाने पर एक बालिका अपनी किताबें पकड़कर भाग रही थी। अदालत का कहना था कि तसवीर देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। साथ ही अधिकारियों की मनमानी और असंवेदशीलता को उजागर करती है। कहा गया कि अतिक्रमणकारियों को खुद की स्थिति को स्पष्ट करने का उचित अवसर दिए बिना बुलडोजर से उनके मकान या झोपड़ियों को ध्वस्त करना अन्याय जैसा ही है। जिससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रशासन का इरादा अनधिकृत निर्माण को हतोत्साहित करने के बजाय उन्हें सबक सिखाना लगता है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में शासन-प्रशासन कथित 'तत्काल न्याय' के बुलडोजर मॉडल को लागू करने में सबसे आगे रहा है। इस विवादास्पद कार्रवाई का बचाव करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा था कि कभी-कभी कुछ लोगों को उनकी समझ में आने वाली 'भाषा' में चीजों को समझाने की जरूरत होती है। जिसके मायने यह भी हैं कि ऐसे तत्वों को अदालतों द्वारा उन्हें दोषी या निर्दोष ठहराये जाने का इंतजार किए बिना ही दंडित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीते साल नवंबर में, सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर के लगातार इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिये कई दिशा-निर्देश दिए थे। इसमें मकान आदि के ध्वस्तीकरण से पंद्रह दिन पहले कब्जाधारियों को सचेत करना भी शामिल था। अदालत ने तो यहां तक चेतावनी दी थी कि निर्देशों का अतिक्रमण करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया। इसमें दो राय नहीं कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के प्रति शून्य-सहिष्णुता का नजरिया जरूरी है। अवैध निर्माण हटाया जाना चाहिए, लेकिन सभी कायदे-कानूनों का पालन भी उतना ही जरूरी है। अदालत मानती रही है कि जल्दबाजी में बुलडोजर का इस्तेमाल असंवैधानिक है और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन भी है। जिसकी कानून इजाजत नहीं देता। प्रयागराज व महाराष्ट्र में कई जगह लोगों ने आरोप लगाया कि नोटिस देने के चौबीस घंटों में ही उनके मकान गिरा दिए गए। ऐसी ही कार्रवाई नागपुर हिंसा के बाद आरोपियों के घर गिराने में की गई। कहा गया कि लोगों को अपील करने का भी मौका नहीं दिया गया। वैसे यह नैसर्गिक न्याय की अवहेलना है कि एक कथित दोषी के कृत्यों की सजा उसके पूरे परिवार को दी जाती है। उस घर में उस व्यक्ति के परिवार के अन्य सदस्य भी रहते हैं। यह विडंबना है कि नागपुर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बैंच ने आरोपियों की संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगायी थी, लेकिन जब तक आदेश पहुंचा तब तक स्थानीय प्रशासन कार्रवाई कर चुका था। वैसे हकीकत यह भी है कि कोई अवैध निर्माण रातोंरात खड़ा नहीं हो जाता। जब उसका निर्माण होता है तो स्थानीय प्रशासन की नजर उस पर क्यों नहीं जाती। एकाएक ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो जाती है कि उसे गिराने की तत्काल जरूरत पड़ती है। फिर तुरत-फुरत बुलडोजर चल जाता है। सवाल यह भी कि हर छोटे-बड़े, धनाढ्य वर्ग, प्रभावशाली नेताओं के अवैध निर्माण पर पीला पंजा क्यों नहीं चलता? निस्संदेह, बुलडोजर की गति राजाश्रय के संरक्षण में ही तेज होती है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि देवताओं को प्रसन्न करने वाले, सज्जनों को सुख देने वाले और पृथ्वी का भार हरण करने वाले भगवान ने एक कल्प में इसी कारण मनुष्य का अवतार लिया था॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

एहि बिधि जनम करम हरि केरे। सुंदर सुखद बिचित्र घनेरे॥

कलप कलप प्रति प्रभु अवतरहीं। चारु चरित नानाबिधि करहीं॥

इस प्रकार भगवान के अनेक सुंदर, सुखदायक और अलौकिक जन्म और कर्म हैं। प्रत्येक कल्प में जब-जब भगवान अवतार लेते हैं और नाना प्रकार की सुंदर लीलाएँ करते हैं,॥

तब-तब कथा मुनीसन्ह गाई। परम पुनीत प्रबंध बनाई॥

बिबिध प्रसंग अनूप बखाने। करहिं न सुनि आचरजु सयाने॥

तब-तब मुनीश्वरों ने परम पवित्र काव्य रचना करके उनकी कथाओं का गान किया है और भाँति-भाँति के अनुपम प्रसंगों का वर्णन किया है, जिनको सुनकर समझदार (विवेकी) लोग आश्चर्य नहीं करते॥

हरि अनंत हरि कथा अनंता। कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता॥

रामचंद्र के चरित सुहाए। कलप कोटि लगि जाहिं न गाए॥

श्री हरि अनंत हैं (उनका कोई पार नहीं पा सकता) और उनकी कथा भी अनंत है। सब संत लोग उसे बहुत प्रकार से कहते-सुनते हैं। श्री रामचन्द्रजी के सुंदर चरित्र करोड़ों कल्पों में भी गाए नहीं जा सकते॥

(क्रमशः...)

जज वर्मा मामले से जजों की नियुक्ति में केंद्र को मिला मौका

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से कथित तौर पर मिले लाखों रुपए के बाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति और तबादलों में केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिल गया है। केंद्र सरकार ने संसद में कॉलेजियम व्यवस्था के स्थान पर राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का कानून पारित किया था। इस कानून के एक विवादास्पद प्रावधानों में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग में भारत के प्रधान न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठतम जजों और केन्द्रीय कानून मंत्री के अलावा दो जानी मानी हस्तियों को शामिल करने की व्यवस्था थी। वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून-एनजेएसी को असंवैधानिक ठहराते हुए रद्द कर दिया था।

जस्टिस वर्मा नोट प्रकरण के बाद न्यायिक नियुक्ति आयोग फिर से लागू करने की संभावना के बाद सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की उम्मीद फिर से पैदा हो गई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा में राजनीतिक दलों से कहा कि उन्हें जजों की तरफ से जजों की नियुक्ति की व्यवस्था को समाप्त करने के लिए एक तंत्र के बारे में सोचना चाहिए। धनखड़ ने कानून को रद्द करने के शीर्ष अदालत के फैसले को गलत बताया। उन्होंने वर्ष 2014 में सर्वसम्मति से बनाए गए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम को दूरदर्शी कदम बताया। इसका उद्देश्य एससी और एचसी के न्यायाधीशों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के एकाधिकार को समाप्त करना था। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे और टीएमसी के सुखेंदु शेखर रॉय सहित विपक्षी नेताओं ने सरकार से उन कदमों की रूपरेखा तैयार करने को कहा है जो वह उठाना चाहती है।

जज कैशकांड के बाद सुप्रीम कोर्ट की फजीहत दो कारणों से हो रही है। न्यायिक नियुक्ति आयोग को रद्द करने और जस्टिस वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में करने से। आयोग को रद्द करने पर उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ द्वारा राजनीतिक दलों की बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक आयोग को निरस्त करने के फैसले की तीखी भर्त्सना की गई। दूसरी तरफ इलाहाबाद हाइकोर्ट बार एसोसिएशन ने जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले का विरोध किया है। एसोसिएशन ने हड़ताल के अलावा जस्टिस वर्मा की कोर्ट के बहिष्कार की चेतावनी दी है। जस्टिस वर्मा प्रकरण के बाद सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम द्वारा हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति प्रक्रिया पर फिर से उंगलियां उठने लगी हैं। न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति में पारदर्शिता

नहीं होने और इनमें परिवारवाद को वरीयता दिए जाने को अंकल जज सिंड्रोम कहते हैं। जब जज बनाने के लिए अधिवक्ताओं के नाम प्रस्तावित किए जाते हैं तो किसी भी स्तर पर किसी से कोई राय नहीं ली जाती। ऐसे में जिन लोगों का नाम प्रस्तावित किया जाता है, उनमें से कई पूर्व न्यायाधीशों के परिवार से होते हैं या उनके संबंधी होते हैं। भारतीय विधि आयोग ने अपनी 230वीं रिपोर्ट में उच्च न्यायालयों में %अंकल जजों% की नियुक्ति के मामले का उल्लेख किया है, जिसमें कहा गया है कि जिन जजों के परिजन किसी उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे हैं, उन्हें उसी उच्च न्यायालय में नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए। विवादों में घिरे जस्टिस वर्मा का अकेला मामला नहीं है, जिससे सुप्रीम कोर्ट के समक्ष परेशानी खड़ी हुई है। पूर्व में हाईकोर्ट के जजों खिलाफ इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव पिछले दिनों विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में बयानबाजी को लेकर चर्चा में रहे। सुप्रीम कोर्ट ने उनके बयान को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट से पूरी जानकारी मांगी वहीं, संसद में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग ने जोर पकड़ा। जस्टिस वी. रामास्वामी पहले न्यायाधीश थे जिनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू की गई थी। उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव 1993 में लोकसभा में लाया गया था। लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया था क्योंकि उसे जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं हो सका। जस्टिस रामास्वामी 1990 में पंजाब और हरियाणा के मुख्य न्यायाधीश थे तब उन पर आधिकारिक तौर पर अलॉट किए गए घर पर कब्जा किए जाने का आरोप लगा था।

कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस सौमित्र सेन देश के दूसरे जज थे जिन्हें महाभियोग का सामना करना पड़ा था। उनके खिलाफ 2011 में राज्य सभा द्वारा महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। जस्टिस सौमित्र सेन ने महाभियोग चलाए जाने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी पाटिल को अपना इस्तीफा भेज दिया था। वह पहले ऐसे न्यायाधीश थे जिन पर उच्च सदन द्वारा कदाचार के लिए महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया था। वर्ष 2015 में राज्यसभा के 58 सदस्यों ने गुजरात हाईकोर्ट के जस्टिस जे.बी. पारदीवाला के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था। जेबी पारदीवाला ने आरक्षण के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। सांसदों ने अपने प्रस्ताव में अनुसूचित जाति और जनजाति के खिलाफ उनके अपशब्द कहे जाने पर आपत्ति जताई थी। उस समय उपराष्ट्रपति रहे हामिद अंसारी के पास महाभियोग का प्रस्ताव भेजे जाने के बाद जस्टिस पारदीवाला ने अपने फैसले से वह शब्द हटा लिए थे। भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के आरोपों पर सिक्किम हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पी.डी. दिनाकरन के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी की गई थी। लेकिन सुनवाई के कुछ दिनों पहले ही दिनाकरन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। दिनाकरन पर जमीन पर कब्जा करने और आय से अधिक संपत्ति के मामले थे। इसके अलावा 2017 में राज्यसभा सांसदों ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना हाईकोर्ट के जस्टिस सी.वी. नागार्जुन रेड्डी के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया गया था। मार्च 2018 में विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए एक मसौदा प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। उन पर विपक्षी दलों ने दुर्व्यवहार का आरोप लगाया, लेकिन राज्यसभा के तत्कालीन सभापति ने उसे खारिज कर दिया था। इसके अलावा मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस एस.के. गंगले के खिलाफ भी महाभियोग की कार्यवाही की प्रक्रिया शुरू हुई थी, लेकिन पूरी नहीं हो पायी।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में आज तक एक भी जज के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। अर्थात किसी भी जज को महाभियोग के जरिए नहीं हटाया गया है। दरअसल हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति के बाद गंभीर किस्म के आरोपों के बाद किसी भी जज को हटाया जाना आसान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के पास सिर्फ हाईकोर्ट के जजों की तबादले की शक्ति है। हटाने का काम संसद का है। संसद में राजनीतिक दल भी ऐसे मुद्दों पर बंटे नजर आते हैं। जस्टिस वर्मा प्रकरण के बाद न्यायिक नियुक्ति आयोग को बहाल करने की मांग बेशक की जा रही हो, किन्तु जजों के खिलाफ भ्रष्टाचार और कदाचार के मामलों में महाभियोग के पारित नहीं होने के लिए राजनीतिक दल ही जिम्मेदार हैं। राजनीतिक दलों के अपने-अपने स्वार्थ निहित हैं। वर्मा प्रकरण की आड़ में केंद्र सरकार जजों की नियुक्ति-तबादले में अपनी हिस्सेदारी चाहती है। ऐसा नहीं है कि जजों की नियुक्ति में लगे भाई-भतीजावाद के आरोप सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर ही लगे हों, यदि राजनीतिक दलों को आयोग की बहाली के बाद ऐसा करने का मौका मिल गया तो वे उससे दो कदम आगे जाएंगे। इसके बाद न्यायिक शुचिता का अभी जो हाल है, उसे और भी ज्यादा खराब होने से कोई रोक नहीं सकता।

- योगेन्द्र योगी

राष्ट्रहित में नहीं वायुसेना की घटती ताकत

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह वायुसेना में लड़ाकू विमानों के बेड़े की घटती ताकत को लेकर अपनी चिंताएं जगजाहिर कर चुके हैं। जिस प्रकार से वायुसेना के लड़ाकू विमान लगातार दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, लड़ाकू विमानों की आपूर्ति से जुड़ी दिक्कतें बढ़ रही हैं और इंजनों के लिए जनरल इलेक्ट्रिक पर निर्भरता कायम है, उसने भी भारतीय वायु सेना की ताकत और युद्ध के लिए तैयार रहने की कोशिशों को प्रभावित किया है। गत दिनों चाणक्य डायलॉग्स सम्मेलन में बोलते हुए वायुसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि भारत में हर साल कम से कम 35 से 40 सैन्य विमानों का निर्माण किए जाने की जरूरत है और यह क्षमता रातोंरात नहीं बनाई जा सकती है। 'भारत 2047 = युद्ध में आत्मनिर्भर' नामक विषय पर उन्होंने जोर देकर कहा कि इस लक्ष्य को पूरा करना असंभव भी नहीं है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के अनुसार भारतीय वायुसेना 2047 तक अपनी सभी जरूरतों के सामान का उत्पादन भारत में ही करने की दिशा में काम कर रही है। फिलहाल भारतीय वायुसेना के पास 600 के करीब लड़ाकू विमान हैं, जिनमें 248 सुखोई 30 एमकेआई, 45 मिराज 2000, 130 जगुआर, 40 मिग 21 बाइसन, 32 तेजस एलसीए एमके 1, 65 मिग 29 और 36 राफेल शामिल हैं। लेकिन यदि चीन से तुलना की बात की जाए तो हमारे पास उसके विमानों के करीब आधी संख्या ही है। भारतीय वायुसेना को अभी तक 40 स्वदेशी तेजस विमान भी नहीं मिले हैं जबकि चीन ने छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान भी तैयार कर लिया है। 2008 में चीन का रक्षा बजट 78.78 अरब डॉलर का था, जो 2025 में भारत का रक्षा बजट है। यानी रक्षा बजट के मामले में हम आज भी चीन से 17 साल पीछे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक दशक तक रक्षा बजट को तुरंत जीडीपी के 4 प्रतिशत के बराबर किए जाने की जरूरत है। इतना ही नहीं, भारतीय वायुसेना के पास हर हाल में देश की सुरक्षा के लिए 42 स्क्वाड्रन का होना जरूरी है। लेकिन इस वक्त भारत के पास करीब 32 स्क्वाड्रन हैं और यदि स्क्वाड्रनों की संख्या नहीं बढ़ाई गई तो साल 2035 तक भारत के पास सिर्फ 25 से 27 स्क्वाड्रन ही बचेंगे। इसलिए समझा जा सकता है कि आने वाले वर्षों में हालात किस कदर भयावह हो सकते हैं। एक स्क्वाड्रन में करीब 18 लड़ाकू विमान होते हैं। इस साल के अंत तक आखिरी मिग-21 को भी सर्विस से बाहर कर दिया जाएगा। एचएएल को भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमआई1ए लड़ाकू विमान बनाने हैं और सभी 83 तेजस एमआई1ए की डिलीवरी साल 2029 तक देनी है, लेकिन इसमें भी देरी हो रही है। भारतीय वायु सेना की आधिकारिक स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को हुई थी। भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य 'नभः स्पृशं दीप्तम्' है। इसका मतलब है 'गौरव के साथ आकाश को छूना'। यह वाक्य भगवद्गीता के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है। पिछले 93 वर्षों में भारतीय वायुसेना ने उपलब्धियों से परिपूर्ण एक गौरवशाली सफर तय किया है। भारतीय वायुसेना आसमान में भारत की ताकत को और बढ़ाना चाहती है और इसके लिए भारतीय

वायुसेना को 114 नए लड़ाकू विमान चाहिए। मल्टी रोल फाइटर जेट प्रोग्राम के तहत ये विमान खरीदे जाने हैं। वायुसेना चाहती है कि 5 साल के भीतर पहला लड़ाकू विमान भारत में आ जाए।

खरीद प्रक्रिया में 7 विमान दौड़ में शामिल हैं। ज्यादातर विमानों का पहले ही परीक्षण हो चुका है, इसलिए उम्मीद है कि लड़ाकू विमानों की खरीद प्रक्रिया तेज होगी। यह प्रसन्नता की बात है कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सैन्य ताकत बन चुका है। ग्लोबल फायरपावर की तरफ से वर्ष 2025 की सैन्य ताकतों की रैंकिंग में पहले स्थान पर अमरीका है। दूसरे स्थान पर रूस का नंबर आता है, जबकि चीन तीसरे स्थान पर है। पांचवें स्थान पर दक्षिण कोरिया है। अपनी सैन्य व एटमी ताकत का धौंस देने वाला पाकिस्तान इस बार तीन अंक खिसक कर 12वें स्थान पर पहुंच चुका है। ग्लोबल फायर पावर नामक संस्था रैंकिंग के लिए 60 से ज्यादा मानकों पर ध्यान देती है। इसमें सेनाओं की संख्या, हथियारों की ताकत, लॉजिस्टिक्स लाने-ले जाने की क्षमता, भौगोलिक स्थिति शामिल हैं। फायरपावर इंडेक्स (जीएफपी) में कम स्कोर का मतलब देश की ज्यादा सैन्य ताकत होती है। अमरीका ने सबसे कम पावर इंडेक्स (0.744) हासिल कर टॉप किया है। भारतीय वायुसेना ने जिन युद्धों में भाग लिया है, उनमें द्वितीय विश्वयुद्ध, 1947 का भारत-पाक युद्ध, कांगो संकट, गोवा मुक्ति संग्राम, भारत-चीन युद्ध, 1965 का भारत-पाक युद्ध, बांग्लादेश मुक्ति युद्ध, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन पुमलाई, ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन कैक्टस, कारगिल युद्ध आदि प्रमुख रहे हैं।

यह माना जाता है कि मशीन के पीछे खड़ा आदमी ही महत्वपूर्ण है, लिहाजा आज तक लड़ी गईं सभी मुख्य लड़ाइयों में भले ही वायुसेना के पास उन्नत श्रेणी के युद्धक विमान न रहे हों, लेकिन उनको संचालित करने वाले भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलेट अपने हौसलों से हर बार नया इतिहास रचते रहे हैं। भारत सरकार को कुछ अन्य सुरक्षा उपायों पर भी ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, जिसमें हमारी हवाई रक्षा कवच (एयर डिफेंस) के साथ-साथ हमें ड्रोन और मिसाइल के एक एकीकृत बल के निर्माण को मजबूत बनाना होगा। उम्मीद है कि भारत सरकार चौतरफा चुनौतियों से निपटने और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित बनाए रखने के लिए भारतीय वायुसेना की ऑपरेशनल तैयारियों को दुरुस्त बनाने के लिए आवश्यक निर्णयों को अमलीजामा पहनाने का कार्य यथाशीघ्र पूरा करेगी।

-अनुज आचार्य

राशिफल

चैत्र शुक्ल पक्ष सप्तमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
यात्रा का योग बनेगा और यात्रा लाभदायक होगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
कोई रिस्क न लें। थोड़ा बचकर पार करिए। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान ठीक है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
लिखने-पढ़ने के लिए अच्छा समय। प्रेम के लिए अच्छा समय, संतान के लिए अच्छा समय।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कौटुंबिक सुख मिलेगा। वाणी नियंत्रित रहेगी। शुभता बनी रहेगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम-संतान का साथ। व्यापार बहुत अच्छा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
मीन राशि की स्थिति अच्छी होगी। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शुभ संस्कार में शामिल होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
राजनीतिक लाभ मिलेगा। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद। व्यावसायिक सफलता। पिता का साथ।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। चली आ रही परेशानी दूर होगी। शादी-ब्याह तय हो सकती है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
गुण-ज्ञान की प्राप्ति। बुजुर्गों का आशीर्वाद।स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा है।

स्थापना दिवस को लेकर हुई भाजपा की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के पार्टी स्थापना दिवस को लेकर एक बैठक का आयोजन आशीर्वाद पैलेस, साकीपुर में किया गया। इस बैठक के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर एवं क्षेत्रीय मंत्री आशीष वत्स रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की तथा संचालन जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का तीसरा कार्यकाल भारत की राजनीति में विकास और परिवर्तन का नया युग लेकर आया है। यह कार्यकाल भारत को विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस अप्रतिम कार्यकाल के दौरान भाजपा का 45वां स्थापना दिवस बड़े स्तर पर मनाया जाएगा।

जिला स्तर पर भाजपा की सफल यात्रा की प्रदर्शनी जिला कार्यालय पर लगाई जाएगी। 7 अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक गाँव चलो अभियान के तहत कार्यकर्ताओं द्वारा प्रवास किया जाएगा। 8 और 9 अप्रैल को सक्रिय सदस्य सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

क्षेत्रीय मंत्री आशीष वत्स ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर को एक ऊर्जावान युवा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा के रूप में नेतृत्व मिला है। उनके मार्गदर्शन में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पार्टी संगठन और केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने के कार्य में जुटेंगे। जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि पार्टी संगठन के कार्यक्रमों को हम सभी कार्यकर्ता मिलकर सफल बनाएंगे। 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। 7 अप्रैल को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जी एवं भारत माता की पुष्पांजलि का आयोजन किया जाएगा। सभी 1116 बूथों पर गाँव चलो अभियान और सक्रिय सदस्य सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 14 अप्रैल तक अंबेडकर जयंती सहित सभी कार्यक्रमों को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, मनोज गर्ग, जिला उपाध्यक्ष देवा भाटी, वीरेन्द्र भाटी, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, राज नागर, रजनी तोमर, जितेंद्र भाटी, बिमल पुंडीर, जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा, अनीता गौतम, गुरुदेव भाटी, पंकज रावल, इन्द्र नागर, अजय निगम, पवन त्यागी, अर्पित तिवारी, सचिन शर्मा, मनोज प्रधान, इन्द्रजीत टाइगर, दिनेश भाटी, राज सिंह प्रधान, संजय भाटी, रवि जिन्दल, अरुण प्रधान, विजय रावल, अशोक रावल, श्यामवीर भाटी, हरिदत्त शर्मा, महेंद्र नागर आदि जिला इकाई, मंडल इकाई, मोर्चा और प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में आग का तांड़व खाक हुआ फार्महाउस और ट्रक

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद जनपद में बृहस्पतिवार दोपहर आग ने तांड़व मचा दिया। राजनगर एक्सटेंशन स्थित माउंट ग्रीन फार्म हाउस में आग लग गई है। मौके पर फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियों को रवाना किया गया है। फार्म हाउस में आग किस वजह से लगी है, अभी इसका पता नहीं चल सका है। जांच के बाद ही आग लगने का कारण सामने आ सकेगा।

वहीं साहिबाबाद कोतवाली क्षेत्र के वृंदावन गार्डन के पास ट्रांसपोर्ट पार्किंग में खड़े ट्रकों में भी आग लग गई। आग की सूचना पर अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुटे हुए हैं। आग के कारण पार्किंग में खड़े ट्रक पूरी तरह से जलकर खाक हो गए। कड़ी मशक्कत के बाद फायर बिग्रेड की टीम ने आग पर काबू पाया है।

आग किन कारणों से लगी इसके बारे में अभी जानकारी नहीं मिली है। पार्किंग में खड़े ट्रकों में सामान भी भरा हुआ था जो आग के कारण पूरी तरह जलकर खाक हो गया है। गाजियाबाद के फार्म हाउस और पार्किंग के गोदाम में लगी आग से आसपास के इलाकों में भगदड़ मच गई। इस घटना में अभी तक कोई जनहानि का समाचार नहीं है। राजनगर एक्सटेंशन स्थित माउंट ग्रीन फार्म हाउस में लगी आग ने पूरे फार्म हाउस को जलाकर राख बना दिया है।

देशव्यापी हड़ताल की तैयारी को लेकर मजदूर संगठनों ने की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। मजदूरों के अधिकार और सुरक्षा छीनने वाले विनाशकारी चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) को अविलंब रद्द करने की मांग को लेकर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, स्वतंत्र क्षेत्रीय राष्ट्रीय फेडरेशनों और एसोसिएशनों के संयुक्त मंच के आह्वान पर 20 मई 2025 को होने वाली देशव्यापी आम हड़ताल को गौतमबुद्धनगर में सफल बनाने के लिए मजदूर संगठनों के नेताओं की बैठक आज सेक्टर-3, नोएडा पार्क में आयोजित की गई।

बैठक में हड़ताल को सफल बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाने की योजना बनाई गई। इस दौरान इंटक नेता संतोष तिवारी, योगेंद्र चौहान, सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामसागर, रामस्वार्थ, टीयूसीआई नेता उदय चंद्र झा, एक्टू नेता अमर सिंह, प्रेम त्यागी, हिंद मजदूर सभा के नेता रितेश झा, एटक नेता मोहम्मद नईम, यूपीएलएफ नेता राम नरेश यादव, यूटीयूसी नेता नूर आलम आदि उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने उत्तर प्रदेश में भाजपा शासन के आठ साल पूरे होने पर सरकार की उपलब्धियों के दावों पर सवाल उठाते हुए 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे को खोखला बताया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने अपने आठ साल के कार्यकाल में एक बार भी मजदूरों के वेतन में बढ़ोतरी नहीं की, जबकि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। आज प्रदेश में मजदूरों का न्यूनतम वेतन 11,000 रुपये से भी कम है। इतने कम वेतन में मजदूर कैसे जिंदा रह पाएगा? यह बात प्रदेश सरकार की समझ में क्यों नहीं आ रही है?

योगी सरकार के कार्यकाल में श्रम कानूनों के उल्लंघन के मामले बढ़े हैं, जिससे मजदूरों का उत्पीड़न और शोषण चरम पर है। पुलिस प्रशासन की निरंकुशता भी बढ़ी है। योगी सरकार ने कामगारों के पक्ष में कोई ठोस कार्य नहीं किया, जिसे अपनी उपलब्धि के रूप में गिनाया जा सके।

वक्ताओं ने चेतावनी दी कि जिस दिन सरकार मजदूर विरोधी लेबर कोड लागू करेगी, उसी दिन से मजदूर संगठन बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर देंगे। उन्होंने जनपद के सभी मेहनतकश मजदूरों से 20 मई 2025 की देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने की अपील की।

अवैध ई-रिक्शा पर एक्शन

नोएडा (चेतना मंच)। शासन एवं जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में अनधिकृत ई-रिक्शा व ऑटो पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जनपद के परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गौतमबुद्धनगर डॉ उदित नारायण पांडे ने बताया कि जनपद में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने के लिए अनधिकृत ईरिक्शा व ऑटो के विरुद्ध 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक सघन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान में परिवहन विभाग गौतमबुद्ध नगर द्वारा अब तक 26 अपंजीकृत ई-रिक्शा सहित बिना डी एल, बिना बीमा के संचालित व अन्य अभियोग मे 49 ई रिक्शा / आटो चालान कर निरुद्ध किये गये तथा 3.25 लाख रु प्रशमन शुल्क आरोपित किया गया।

डा पाण्डेय ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किसी भी गाड़ी की स्टेयरिंग नाबालिगों के हाथों में न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सांप बनाम नेता

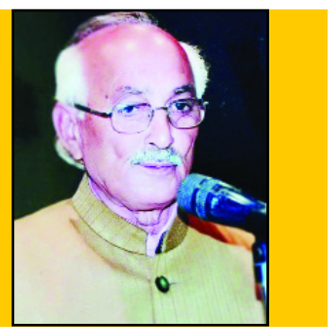

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

वैसे तो सांप और नेता
दोनों के इरादे एक हैं
फिर भी सांप बेचारे
नेताओं से कुछ नेक हैं।
सांप आदमी को एक बार काटता है
आदमी मर जाता है।
पर नेता बार-बार उसे काटता है
फिर भी आदमी उसे ही अपना
सांसद विधायक मंत्री और न
जाने क्या-क्या बनाता है!
डॉ कृष्णावतार त्रिपाठी राही

पृष्ठ एक के शेष....

तालाब, पोखर, खलिहान...

की ओर से जिन संपत्तियों का दावा किया गया है, उनमें से अधिकांश का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार सुन्नी वक्फ बोर्ड की केवल 2,533 संपत्तियां दर्ज हैं। वहीं शिया वक्फ बोर्ड की 430 संपत्तियां ही अधिकृत रूप से पंजीकृत हैं। जबकि वक्फ बोर्ड द्वारा घोषित आंकड़े इससे कहीं अधिक हैं। सुन्नी वक्फ बोर्ड की 1,24,355 संपत्तियां और शिया वक्फ बोर्ड की 7,785 संपत्तियां हैं।

बताया जा रहा है बड़े पैमाने पर तालाब, पोखर, खलिहान और ग्राम समाज की जमीनों को भी वक्फ घोषित किया गया है, जिसे सरकार ने पूरी तरह अवैध माना है। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी जमीन, ग्राम समाज की जमीन और सार्वजनिक संपत्तियां किसी भी सूरत में वक्फ घोषित नहीं की जा सकतीं। केवल उन्हीं संपत्तियों को वक्फ माना जाएगा जो किसी व्यक्ति द्वारा स्पष्ट रूप से दान की गई हों।

कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में बिल को देगी चुनौती

वक्फ संशोधन विधेयक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी होने लगी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बाद अब कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह संसद में पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 की संवैधानिकता को बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। विधेयक को शुक्रवार सुबह संसद ने मंजूरी दी थी। इसे पहले लोकसभा फिर राज्यसभा ने भी इसे मंजूरी दे दी थी। इससे पहले वक्फ विधेयक को लेकर स्टालिन ने अदालत का दरवाजा खटखटाने का एलान कर दिया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम के स्टालिन ने गुरुवार को कहा था कि उनकी पार्टी इस विधेयक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाएगी।

पीएम मोदी ने ...

मोदी ने कैप्शन में लिखा, 'बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर और फिल्ममेकर मनोज कुमार जी के निधन की खबर सुनकर बेहद दुखी हूं'। वह भारतीय सिनेमा के वह आइकॉन थे, जिन्होंने देशभक्ति की भावना को जगाने वाली फिल्मों के लिए याद किया जाता है। मनोज कुमार का सिनेमा मन में राष्ट्रीय गर्व की भावना जगा देता था। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं। ओम शांति।

एनटीपीसी में...

अजय कुमार संविदा पर एनटीपीसी में लाइनमैन के पद पर कार्यरत था। पूछताछ के दौरान पता चला कि अजय कुमार पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

अर्टिगा कार में लाये...

दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वह हरियाणा से सस्ते दामों में शराब खरीद कर महंगे दामों में बेचते हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और तस्करी में प्रयुक्त आर्टिगा कार को भी सीज कर दिया है।

संजीव निगम फिर...

सूची जारी की जिसमें संजीव निगम को एक बार फिर से प्रदेश प्रवक्ताओं की सूची में शामिल किया गया है। पिछले सप्ताह अयोध्या प्रांत के प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने भी जिला प्रभारियों की लिस्ट में फेर बदल करते हुए संजीव निगम को अयोध्या जनपद का प्रभार दिया था।

गांजा बेचते 3 महिलाओं ...

पुलिस ने सेक्टर-71 अंडरपास की सर्विस रोड से मुखबिर की सूचना पर एक युवक को हिरासत में लिया। तलाशी में इसके पास से 1 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम रिपनदास पुत्र रनु चंद्र दास बताया। आरोपी ने बताया कि वह दिल्ली से गांजा लाकर नोएडा में बेचता था। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कार्यालय में पेश किया है।

उधार देने से मना करने पर पीटा

नोएडा (चेतना मंच)। शहदरा गांव की मार्केट में दुकानदार द्वारा समान उधार दिए जाने से मना करने पर गुस्साए युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके साथ जमकर मारपीट की। दुकानदार को बचाने आए उसके ससुर सास और पत्नी के साथ भी आरोपियों ने मारपीट करने घायल कर दिया। पीड़ित ने थाना सेक्टर-142 में तीन नामजद सहित अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

तीरथराम पुत्र साधू ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह शहदरा गांव की मार्केट में चाय-बिस्कुट के ठेली लगाता है। 29 मार्च की शाम को शहदरा गांव निवासी विक्की उसकी ठेली पर आया और सामान उधार मांगने लगा। उसने उधार सामान देने से इंकार कर दिया जिस पर वह गाली-गलौज कर वहां से चला गया। तीरथराम के मुताबिक कुछ देर बाद विक्की अपने दोस्त मोनू गोली व अन्य युवकों के साथ उसकी ठेली पर पहुंचा और मारपीट शुरू कर दी।

मारपीट होता देखकर उसके ससुर संजय, सास राजरानी व पत्नी काजल ने उसे बचाने का प्रयास किया तो युवकों ने उनके साथ भी मारपीट की। मारपीट कर घायल करने के बाद आरोपी युवक दुकान न खोलने की धमकी देकर चले गए। उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने उसके ससुर संजय की चिकित्सा जांच कराई जिसमें चोट लगने की पुष्टि हुई है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों को की तलाश की जा रही है।

युवक की हत्या पर हंगामा, परिजनों ने लगाया जाम

गाजियाबाद (ब्यूरो)। गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में एक (25 वर्षीय) युवक की हत्या कर दी गई। युवक की हत्या के विरोध में परिजनों ने जमकर हंगामा किया। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने काफी देर तक पुलिस को युवक का शव नहीं उठाने दिया।

इस दौरान पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम भिजवाने की कोशिश की तो परिजनों ने शव नहीं उठाने दिया। इस दौरान गुस्साए परिजनों ने एंबुलेंस भी रोक दी। वहीं, तनाव को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है।

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के उत्तरांचल विहार सोसायटी कॉलोनी में रहने वाला सत्यम उर्फ पिंटू का शव घर से कुछ दूरी पर पानी के प्लांट की टंकी के अंदर शुक्रवार सुबह मिला। सत्यम 31 तारीख की रात से लापता था। सूचना पाकर परिवार के लोग मौके पर एकत्रित हुए। पुलिस ने शव को पानी की टंकी तोड़कर बाहर निकाल। सत्यम उर्फ़ पिंटू पुत्र ओमवीर सिंह उम्र 27 वर्ष निवासी सी 165 उत्तरांचल विहार सोसायटी बेहटा हाजीपुर में रहता था। पुलिस के मुताबिक सत्यम 31 मार्च रात 10 बजे घर से लापता हो गया था। शुक्रवार सुबह सत्यम का शव घर से कुछ दूरी पर पानी के प्लाट की पानी की टंकी के अंदर मिला। परिजनों ने हत्या कर शव पानी की टंकी के अंदर छुपाने की बात कही है।

भाजपा का 45वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाने की रूपरेखा तैयार

भदोही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का तृतीय कार्यकाल भारत की राजनीति में विकास और परिवर्तन का नया युग लेकर आगे बढ़ रहा है। इस ऐतिहासिक कार्यकाल के बीच भारतीय जनता पार्टी का 45वां स्थापना दिवस इस महीने जनपद स्तर पर बड़े पैमाने पर मनाया जाएगा।

इस संबंध में आयोजित बैठक में जिला प्रभारी एवं खादी ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य नागेंद्र रघुवंशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने पार्टी द्वारा निर्धारित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी और कार्यकर्ताओं को इसे सफल बनाने के लिए प्रेरित किया। भाजपा स्थापना दिवस 6 अप्रैल 2025, सक्रिय सदस्य सम्मेलन 8 और 9 अप्रैल 2025, गाँव चलो अभियान 7 अप्रैल से 12 अप्रैल इसी प्रकार, अन्य कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई है।

जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा तय किए गए सभी कार्यक्रम व्यवस्थित और भव्य तरीके से आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 2027 के चुनावों से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को पूरी ऊर्जा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है और सभी कार्यक्रम योजना के तहत संचालित किए जाएंगे।

इस अवसर पर औराई विधायक दीनानाथ भास्कर, संतोष तिवारी, सप्तशती गुप्ता, सुनील मिश्रा, प्रदीप सिंह, गोवर्धन राय, छत्रपति सिंह, राजेंद्र प्रसाद दुबे, गोरेलाल पांडेय, मनीष पांडेय, शिवम आकाश, दीपक सिंह, रामबली मिश्रा समेत अनेक वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन्मदिन की बधाई

भाकियू (टिकैत)के पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना निवासी (गांव) खटाना के जन्मदिन पर चेतना मंच की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

चेतना मंच परिवार

नोएडा में मशीन से पेड़ों, फुटपाथ व शौचालयों की होगी धुलाई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में प्रदूषण से लड़ने के लिए प्राधिकरण ने कमर कस ली है। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम और एचसीएल फाउंडेशन के वित्त पोषण से प्राप्त 10 ट्रक माउंटेड एंटी स्मॉग गन मशीन व 1 होमोसेप रोबोट सीवर सफाई मशीन को नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने हरी झंडी दिखाई।

इन 10 ट्रक पर माउंटेड एंटी स्मॉग गन मशीनों की क्षमता 7,000 लीटर पानी की है। इन वाहनों के दोनों किनारों तथा सामने छिड़काव यंत्र (स्प्रिंकलर) का प्रावधान किया गया है तथा पीछे एंटी स्मॉग गन स्थापित की गई है, जिससे 30 मीटर दूरी तक छिड़काव के माध्यम से वायु प्रदूषण की रोकथाम की जाएगी। इस मशीनरी से पेड़ों की धुलाई, फुटपाथ की धुलाई, शौचालयों की धुलाई एवं अन्य उपयोगों के लिए दबाव यंत्र पाइप (प्रेशर गन पाइप) का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक मशीन को प्राधिकरण के प्रत्येक कार्य अनुभाग द्वारा एक-एक मशीन के रूप में उपयोग किया जाएगा, जिससे नोएडा क्षेत्र के वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहयोग मिलेगा।

एम/एस एचसीएल फाउंडेशन द्वारा दिए गए 1 होमोसेप रोबोट सीवर सफाई मशीन के माध्यम से नोएडा क्षेत्र में सीवर मेनहोलों की सफाई की जाएगी। इससे सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी तथा मेनहोल बंद होने की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा सकेगा।

1 ट्रक पर माउंटेड एंटी स्मॉग गन मशीन की लागत 36,27,000.00 है। 10 ट्रक पर माउंटेड एंटी स्मॉग गन मशीनों की कुल लागत 3,62,73,000.00 (तीन करोड़ बासठ लाख तिहत्तर हजार मात्र) है। 1 होमोसेप रोबोट सीवर सफाई मशीन की लागत 45,00,000.00 (पैंतालीस लाख मात्र) है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खबर संक्षेप

बजाज ऑटो की बिक्री में एक फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। बजाज ऑटो की मार्च में निर्यात सहित कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 3,69,823 इकाई हो गई। मार्च 2024 में उसने 3,65,904 वाहन बेचे थे। कंपनी ने बृहस्पतिवार पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री 2,21,474 इकाई पर स्थिर रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,20,393 इकाई थी।

फोर्टिस हेल्थकेयर ने 200 करोड़ में पाया ट्रेडमार्क

नई दिल्ली। उसने 200 करोड़ रुपये की बोली लगाकर नीलामी के जरिये फोर्टिस ट्रेडमार्क हासिल किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 29 अक्टूबर, 2024 के आदेश के जरिये सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से 'फोर्टिस'' ट्रेडमार्क और संबद्ध चिह्नों की बिक्री का आदेश दिया था। यह आदेश उच्चतम न्यायालय के 22 सितंबर, 2022 के फैसले के अनुसार था।

हीरो मोटोकॉर्प की मार्च में बिक्री 12 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की मार्च में कुल बिक्री सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 5,49,604 इकाई हो गई। कंपनी ने मार्च, 2024 में 4,90,415 वाहन बेचे थे। हीरो मोटोकॉर्प ने बयान में कहा कि घरेलू बाजार में उसकी थोक बिक्री मार्च में 5,10,086 इकाई रही जो मार्च, 2024 के 4,59,257 इकाई के आंकड़े से 11 प्रतिशत अधिक है।

सेबी ने एचडीएफसी बैंक को दिया चेतावनी पत्र

नई दिल्ली। सेबी ने एचडीएफसी बैंक को नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने को लेकर चेतावनी पत्र जारी किया। बैंक के कामकाज के समय-समय पर होने वाले निरीक्षण के बाद, सेबी ने कुछ नियामकीय दिशानिर्देशों का कथित तौर पर अनुपालन नहीं करने के लिए एक प्रशासनिक चेतावनी पत्र जारी किया है।

विपुल के राइट्स इश्यू को 180 फीसदी अभिदान

नई दिल्ली। विशेष रसायन कंपनी विपुल ऑर्गेनिक्स के राइट्स इश्यू को अंतिम दिन बुधवार तक 180 प्रतिशत अभिदान मिला है। कंपनी का राइट्स इश्यू 21 मार्च को खुला था। राइट्स इश्यू में 10 रुपये अंकित मूल्य के 44,37,291 शेयर 46 रुपये प्रति शेयर (36 रुपये प्रति शेयर प्रीमियम सहित) की दर से पेश किए गए, जिनकी कुल कीमत 2041.15 लाख रुपये थी।

पीएनबी की ऋण वृद्धि मार्च तिमाही में 13.6 प्रतिशत

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने कहा कि उसने मार्च तिमाही में 13.6 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान उसका ऋण बढ़कर 11.17 लाख करोड़ रुपये हो गया है। पीएनबी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि 31 मार्च, 2024 के अंत में उसका कुल अग्रिम 9.83 लाख करोड़ रुपये था। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के अंत में बैंक की कुल जमा 13.69 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 14.3 प्रतिशत बढ़कर 15.65 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

भरना है इनकम टैक्स तो पहले जान लें क्या है आईटीआर का नियम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने का समय आ गया है। हर साल की तरह, सैलरीड कर्मचारी सहित सभी टैक्सपेयर वर्तमान में उपलब्ध सात आईटीआर फॉर्म में से किसी एक का इस्तेमाल करके अपना टैक्स रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। अभी के समय में, विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर टैक्स देने वालों के लिए 7 आईटीआर फॉर्म उपलब्ध हैं। आईटीआर फाइलिंग प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा सही आईटीआर फॉर्म की पहचान करना जरूरी है। आपकी आय के लिए कौन सा इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म सही है। इस खबर के माध्यम से बताने जा रहे हैं कि आईटीआर फॉर्म भरते समय आपको कौन सा फॉर्म सलेक्ट करना है।

- आईटीआर प्रक्रिया में सही इनकम टैक्स रिटर्न फार्म की पहचान करना जरूरी

सात आईटीआर फार्म में से किसी एक का उपयोग करते हैं

आईटीआर 1 दाखिल करने के लिए कौन पात्र नहीं है?

आईटीआर-1 फॉर्म का इस्तेमाल वह व्यक्ति नहीं कर सकता जिसकी भारत से बाहर संपत्ति है या जो विदेश से आय अर्जित कर रहा है। साथ ही, जिन व्यक्तियों की वार्षिक आय 50 लाख रुपए से अधिक है, वे इस फॉर्म का इस्तेमाल नहीं कर सकते। कृषि से 5,000 रुपए से अधिक की वार्षिक आय वाले लोगों को आईटीआर 1 दाखिल करने की अनुमति नहीं है।

आईटीआर 2 कौन दाखिल कर सकता है? : आईटीआर 2 फॉर्म ऐसे व्यक्ति या एचयूएफ भर सकते हैं जिनकी आय व्यवसाय या किसी पेशे से होने वाले लाभ या लाभ के आईटम में नहीं है। एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख रुपए से अधिक आय वाले व्यक्तियों और एचयूएफ को यह फॉर्म भरना चाहिए।

आईटीआर 2 दाखिल करने के लिए कौन पात्र नहीं है? : वो व्यक्ति या एचयूएफ, जिनकी साल की कुल आय में व्यापार या पेशे से प्राप्त लाभ है, वे आईटीआर 2 दाखिल नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा, वे टैक्स देने वाले लोग जिनकी आय ब्याज, वेतन, बोनस आदि से होती है। वे जो साझेदारी फर्म से कमीशन या पारिश्रमिक से आय अर्जित करते हैं, वे आईटीआर 2 दाखिल नहीं करेंगे।

सरकार ने आईटीआर 2 फॉर्म में क्या बदलाव किए हैं? : नया अपडेट 25 मार्च 2025 को लांच किया गया था। यह धारा 139 (8ए) के तहत संशोधित रिटर्न दाखिल करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे व्यक्ति आवश्यकता पड़ने पर अपने रिटर्न में सुधार कर सकते हैं। इससे सैलरीड कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और अन्य गैर-व्यावसायिक करदाताओं को रिटर्न दाखिल करना आसान हो जाता है।

आईटीआर फॉर्म क्या है?

इनकम टैक्स रिटर्न यानी आईटीआर एक प्रकार का फॉर्म होता है, जिसमें आपकी इनकम की सभी जानकारी भरी होती है। इस फॉर्म का इस्तेमाल औसत सैलरीड कर्मचारियों या निवासियों द्वारा किया जा सकता है जिनकी कुल आय वेतन/पेंशन, एक मकान संपत्ति और अन्य स्त्रोतों से 50 लाख रुपए तक है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 27 फीसदी जवाबी शुल्क लगाया

भारत के झींगा, कालीन और स्वर्ण आभूषण क्षेत्र पर अमेरिकी शुल्क का सबसे ज्यादा असर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दो अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक नई शुल्क नीति की घोषणा की। घोषणा में सभी आयातित वस्तुओं पर एक सार्वभौमिक 10 प्रतिशत शुल्क शामिल है, जो पांच अप्रैल से प्रभावी होगा। वहीं नौ अप्रैल से 27 प्रतिशत का शुल्क लागू होगा।

भारत के झींगा मछली, कालीन, चिकित्सा उपकरण और स्वर्ण आभूषण जैसे निर्यात क्षेत्रों पर अमेरिका द्वारा बुधवार को घोषित 27 प्रतिशत शुल्क का असर देखने को मिलेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा और फार्मा जैसे निर्यात क्षेत्र अमेरिका में अपने प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले थोड़ी बेहतर स्थिति में रहेंगे।

शुल्क से 60 से अधिक देश प्रभावित

अमेरिका द्वारा घोषित उपायों से 60 से अधिक देश प्रभावित हो रहे हैं। अमेरिका घरेलू झींगा मछली उद्योग का सबसे बड़ा बाजार है। अधिक शुल्क के कारण अब झींगा मछली, अमेरिकी बाजार में काफी कम प्रतिस्पर्धी रह जाएगी। अमेरिका ने पहले से ही भारतीय झींगा पर डंपिंग-रोधी और प्रतिपूरक शुल्क लगा रखा है। भारत के कुल झींगा निर्यात में से 40 प्रतिशत अमेरिका को भेजा जाता है।

भारत के प्रमुख प्रतिस्पर्धी इक्वाडोर व इंडोनेशिया

अमेरिकी बाजार में घरेलू निर्यातकों के प्रमुख प्रतिस्पर्धी इक्वाडोर और इंडोनेशिया हैं। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जमे हुए झींगा का निर्यात 7,16,004 टन था। पिछले वित्त वर्ष में अमेरिका ने 2,97,571 टन आयात किया, उसके बाद चीन (1,48,483 टन), यूरोपीय संघ (89,697 टन) और जापान (35,906 टन) का स्थान रहा।

- भारत अमेरिका में प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले बेहतर स्थिति में
- अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने लगाया गया शुल्क
- घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने नई शुल्क नीति घोषित की गई

अमेरिका भारत से कालीन का सबसे बड़ा आयातक

अमेरिका को ब्लैक टाइगर झींगा का निर्यात मात्रा के लिहाज से 35.37 प्रतिशत और मूल्य के लिहाज से 32.35 प्रतिशत बढ़ा है। इसी तरह, अमेरिका भारत से कालीन का सबसे बड़ा आयातक है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह करीब दो अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2023-2024 में, भारत ने वैश्विक स्तर पर 32.85 अरब डॉलर के रत्न और आभूषण निर्यात किए, जिसमें अमेरिका का हिस्सा 30.28 प्रतिशत (10 अरब डॉलर) था।

भारत ने 11.88 अरब डॉलर के हीरे, सोने व चांदी का किया निर्यात : वर्ष 2024 में, भारत ने 11.88 अरब डॉलर के हीरे, सोने और चांदी का निर्यात किया। इसमें 13.32 प्रतिशत का शुल्क अंतर है। देश तराशे और पॉलिश किए गए हीरे, जड़े हुए सोने के आभूषण, सादे सोने के आभूषण, प्रयोगशाला में तैयार किये गए हीरे और चांदी के आभूषणों सहित कई तरह के उत्पादों का निर्यात करता है। अमेरिका भारत के सबसे बड़े आभूषण निर्यात बाजारों में से एक है, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत है।"

चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में चुनौतियां पैदा हो सकती है

एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री (एआईएमईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका को चिकित्सा उपकरण निर्यात पर 27 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाने से इस क्षेत्र की वृद्धि के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में, भारत का अमेरिका को चिकित्सा उपकरण निर्यात 71 करोड़ 43.8 लाख डॉलर का था, जबकि अमेरिका से भारत में आयात काफी अधिक 1.52 अरब डॉलर का था।

भारत के प्रतिस्पर्धी देशों पर उच्च शुल्क लगाया गया

सकारात्मक पक्ष यह है कि भारत के लिए शुल्क में भारी वृद्धि के बावजूद, यह प्रथम दृष्टया परिधान क्षेत्र के लिए भारत के लिए लाभ का मामला प्रतीत होता है, क्योंकि भारत के प्रमुख प्रतिस्पर्धी देशों जैसे चीन, बांग्लादेश, वियतनाम, कंबोडिया और श्रीलंका पर अमेरिका द्वारा उच्च शुल्क लगाया गया है।

सोना 94,350 रुपए के नए शिखर पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्ट की सतत लिवाली के बीच बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 200 रुपये बढ़कर 94,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 94,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200 रुपये बढ़कर 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। हालांकि, चांदी की कीमत बुधवार के बंद स्तर 1,01,500 रुपये प्रति किलोग्राम से 1,000 रुपये टूटकर 1,00,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। एलकेपी सिक्योरिटीज में उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक जिंस और मुद्रा जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''जवाबी शुल्क के प्रभाव से सुबह के सत्र में सोने में शुरुआती तेजी देखी गई, लेकिन जल्द ही कीमतों में मुनाफावसूली का दौर शुरू हो गया।''

- चांदी 1,000 रुपए टूटी
- सोने में 200 रुपए की तेजी

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 43.39 डॉलर या 1.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,089.64 डॉलर प्रति औंस रह गया। बुधवार को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 60 से अधिक देशों पर शुल्क लगाने की घोषणा के बाद यह 3,167.71 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के शुल्क निर्णय के बाद जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ने से सोना 3,167 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया।

बाजार का ध्यान बेरोजगारी व पीएमआई आंकड़ों पर

अबन्स फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चिंतन मेहता ने कहा कि इसके अलावा, बाजार का ध्यान साप्ताहिक अमेरिकी बेरोजगारी दावों और बृहस्पतिवार को देर से जारी होने वाले सेवा पीएमआई आंकड़ों पर रहेगा, जो बढ़ते व्यापार तनाव के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती के बारे में और जानकारी दे सकते हैं।

ट्रंप की शुल्क घोषणा से सेंसेक्स 322 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 322 अंक टूट गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत समेत 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा के बाद सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में बिकवाली तथा वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 322.08 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,295.36 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 809.89 अंक तक लुढ़क गया था। हालांकि, बाद में औषधि शेयरों में तेजी से बाजार नुकसान की कुछ हद तक भरपाई करने में सफल रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 82.25 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,250.10 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी एक समय 186.55 अंक तक लुढ़क गया था। भारत उच्च आयात शुल्क वसूलता है, ऐसे में अब देश के व्यापार घाटे को कम करने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाना जरूरी था।

- आईटी शेयरों में रही भारी बिकवाली
- वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख से बाजार में रहा नुकसान

इन शेयरों में रहा नुकसान

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा स्टील के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट आई।

ये शेयर रहे लाभ में

दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में पावरग्रिड, सन फार्मास्युटिकल्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया, टाइटन, इंडसइंड बैंक और एक्सिस बैंक शामिल है।

रिलायंस आंध्र प्रदेश में सीबीजी संयंत्र लगाएगी...

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा है कि वह आंध्र प्रदेश में 500 'कॉम्प्रेस्ड बायोगैस' संयंत्र स्थापित करने में 65,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इनमें से पहले संयंत्र का शिलान्यास हो चुका है। कंपनी ने बयान में कहा कि आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश ने राज्य के प्रकाशम जिले के कनिगिरी में पहले रिलायंस कॉम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र की आधारशिला रखी। रिलायंस ने कहा, ''यह परियोजना 139 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश के साथ विकसित की जा रही है। यह आंध्र प्रदेश के लिए 65,000 करोड़ रुपये के कुल पूंजी व्यय से 500 संयंत्र लगाने की दिशा में पहला संयंत्र है। संयंत्र को नवीन प्रौद्योगिकी के साथ विकसित किया जाएगा और इसमें बायोगैस का उत्पादन करने के लिए बंजर और बेकार जमीन पर उगाई जाने वाली नेपियर यानी लंबी घास (हाथी घास) का उपयोग किया जाएगा।

रुपया शुरुआती नुकसान से उबरा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को रुपया अपने शुरुआती नुकसान से उबरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे के उछाल के साथ 85.30 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। ऐसा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा करीब 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने के बाद विश्व की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर होने के कारण हुआ। शुरुआती कारोबार में घरेलू मुद्रा को झाटका लगा लेकिन जल्द ही इसने अपनी खोई जमीन फिर हासिल कर ली और दिन का अंत में यह सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ। अमेरिका ने भारत पर 27 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा करते हुए कहा कि भारत, अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च आयात शुल्क लगाता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में बेहतर स्थिति में है।

- 22 पैसे चढ़कर 85.30 प्रति डॉलर
- विश्व की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर हुआ कमजोर

ओला इलेक्ट्रिक की उसी दिन पंजीकरण व डिलीवरी सुविधा

- पंजीकृत वाहनों पर कुछ ही घंटों में घर जा सकते हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओला इलेक्ट्रिक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने वाहनों के उसी दिन पंजीकरण और डिलिवरी की पहल शुरू की है।

बेंगलुरू स्थित फर्म ने बयान में कहा, ''हाइपरडिलिवरी का प्रायोगिक दौर, बेंगलुरु में शुरू हुआ है और इस तिमाही के दौरान चरणबद्ध तरीके से पूरे भारत में इसका विस्तार किया जाएगा।''

ग्राहक अब अपनी खरीदारी ऑनलाइन या ओला इलेक्ट्रिक स्टोर पर पूरी कर सकते हैं और अपने पूरी तरह से पंजीकृत वाहनों पर कुछ ही घंटों में घर जा सकते हैं। ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने कहा, ''हमने एआई-आधारित स्वचालन के माध्यम से और पंजीकरण प्रक्रिया को पूरी तरह से आंतरिक करके वाहनों के पंजीकरण के प्रसंस्करण समय में काफी कमी की है।' प्रवक्ता ने कहा, ''इसके साथ हम अपने ग्राहकों के लिए बहुत ही सहज खरीदारी अनुभव सुनिश्चित कर रहे हैं, थकाऊ खरीद प्रक्रियाओं और लंबी डिलिवरी समयसीमा को खत्म कर रहे हैं।''

रोजबे ग्रीन्स एक्सटेंशन में नव महोत्सव

- 4-6 अप्रैल तक 2.50 लाख तक की छूट

रायपुर। कचना रोड, पिरदा चौक के पास स्थित रोजबे ग्रीन्स एक्सटेंशन प्रोजेक्ट को शानदार रिस्पांस मिल रहा है। यह प्रीमियम प्लॉट प्रोजेक्ट, अपनी आधुनिक सुविधाओं और शानदार लोकेशन के कारण घर खरीदारों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अब नवरात्रि के शुभ अवसर पर श्री स्वास्तिक ग्रुप की ओर से 4-6 अप्रैल तक 'नव महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ग्राहकों को 2.50 लाख तक की विशेष छूट मिलेगी। श्री स्वास्तिक ग्रुप के डायरेक्टर सुनील साहू ने बताया कि यह क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और इस क्षेत्र में प्लॉट व मकानों की मांग लगातार बढ़ रही है। रोजबे ग्रीन्स एक्सटेंशन एक 16.50 एकड़ में फैला हुआ रेरा-रजिस्टर्ड आवासीय प्रोजेक्ट है, जिसमें लगभग 310 प्लॉट्स उपलब्ध हैं। प्लॉट्स विभिन्न साइज में उपलब्ध हैं, जिसमें 600, 1300, 1400, 1500, 1600 और 1800 वर्गफुट के प्लॉट शामिल हैं।

आधुनिक सुविधाओं से लैस प्रोजेक्ट

यह प्रोजेक्ट अपने प्रीमियम एमिनिटीज के लिए जाना जा रहा है। इसमें क्लब हाउस जिसमें मल्टीपर्पस हॉल, योगा जोन, जिम, स्वीमिंग पुल, किडस प्ले एरिया, इंडोर गेम्स एरिया, गेस्ट रूम, आदि सुविधाएं है, इसके अलावा एम्पी थियेटर, टेनिस कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, वॉकिंग/जॉगिंग ट्रेक, मंदिर, लैण्ड स्कैप गार्डन आउटडोर गेम्स है। साथ ही मूलभूत सुविधाएं जैसे भव्य प्रवेश द्वार, आरसीसी युक्त पक्की सड़क, स्ट्रीट लाइट, कवर्ड ड्रेनेज, सिवरेज, वाटर सप्लाई लाइन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, बाउण्ड्रीवाल, वाटरटैंक, एस.टी.पी. प्लांट, गार्ड रूम जैसी तमाम सुविधाएं उपलब्ध है। इस प्रोजेक्ट में ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैंक फाइनेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे इच्छुक खरीदार आसानी से अपना घर या प्लॉट खरीद सकते हैं।

अनिवार्य सुरक्षा मानदंड़ों को पूरा करना जरूरी है कंपनियों को

बढ़ती लागत की वजह से दाम बढ़ा रही कार कंपनियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अनिवार्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए कच्चे माल की बढ़ती लागत के साथ-साथ सभी संस्करणों में छह एयरबैग जैसी सुविधाओं के लिए उपभोक्ताओं की बढ़ती पसंद के कारण कार विनिर्माता सुस्त मांग के बावजूद कीमतों में बढ़ोतरी कर रहे हैं।

उद्योग जगत के दिग्गजों ने यह बात कही है। अग्रणी ब्रांड मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को आठ अप्रैल से विभिन्न मॉडल की कीमतों में 2,500-62,000 रुपये तक की वृद्धि करने की घोषणा की है। इस साल यह उसकी दूसरी वृद्धि है। मारुति सुजुकी इंडिया ने इससे पहले एक फरवरी से विभिन्न मॉडल की कीमतों में 32,500 रुपये तक की वृद्धि की थी।

- सभी संस्करणों में छह एयरबैग जैसी सुविधा लागू की गई

कच्चे माल की लागत में वृद्धि भी बड़ा कारण

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विक्रम पावाह ने कहा, "हम हर तिमाही में इसकी समीक्षा करते हैं और विनिमय दर तथा कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण हम कीमतों में संशोधन करते हैं। हमने अप्रैल में भी कुछ विशेष मॉडल पर तीन प्रतिशत तक की मामूली मूल्यवृद्धि की थी।"

सीट बेल्ट व पीछे की सीटों को मजबूत किया गया : उद्योग के जानकारों के अनुसार, 3-पॉइंट ईएलआर सीट बेल्ट और सामान रखने के लिए पीछे की सीटों को मजबूत बनाने जैसी सुरक्षा आवश्यकताओं के कारण भारत में यात्री वाहनों की लागत बढ़ गई है। उद्योग के एक अधिकारी ने कहा, "इसके अलावा, विभिन्न संस्करणों में छह एयरबैग जैसे अधिक सुरक्षा खूबियों की उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग के कारण भी इसकी लागत बढ़ गई है।"

वृद्धि एक से दो फीसदी के दायरे में रहेगी : कीमतों में बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब उद्योग में बिक्री में सुस्ती देखी जा रही है और चालू वित्त वर्ष (2025-26) में वृद्धि एक से दो प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान है।

सुस्ती के बावजूद कीमतें बढ़ाई गई

इसी तरह, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने इस महीने से चुनिंदा मॉडल पर तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। हुंडई, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया और होंडा कार्स ने भी अप्रैल से वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजना की घोषणा की है। पूरे यात्री वाहन बाजार में सुस्ती के बावजूद कीमतों में वृद्धि करने के सवाल पर मारुति सुजुकी इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, "कीमतों में वृद्धि पूरी तरह से नियामकीय बदलावों के कारण कच्चे माल की लागत के चलते की गई है। आंशिक रूप से ऐसी लागत का बोझ ग्राहकों पर डाला गया है।"

आईपीएल 2025:

श्रेयस को रोकना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन

लखनऊ के खिलाफ नाबाद अर्धशतक से एक साथ तोड़ा धोनी-गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 13वें मुकाबले में ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स को श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने बड़ी ही आसानी से 8 विकेट से हरा दिया। पंजाब किंग्स का ये इस लीग में दूसरा लीग मैच मैच था और दोनों ही मैचों में इस टीम को जीत मिली। पंजाब की बैटिंग इस मैच में धाकड़ रही और इस टीम ने 172 रन के टारगेट को 8 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

लखनऊ के खिलाफ इस मैच में पंजाब के ओपनर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (69 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (52 रन) ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जबकि चौथे नंबर पर बैटिंग करने आए नेहर वढेरा (43 रन) भी नाबाद रहे।

पंजाब के लिए इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह काफी असरदार रहे और अपनी टीम के लिए 3 विकेट लेने में सफलता हासिल की। प्रभसिमरन सिंह को उनकी तेज बैटिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया तो वहीं कमाल की लय में चल रहे कप्तान श्रेयस ने नाबाद पारी के दम पर एमएस धोनी और एडम गिलक्रिस्ट के बड़े रिकॉर्ड को तोड़न में सफलता हासिल की।

श्रेयस अय्यर ने एमएस धोनी को पीछे छोड़ा

श्रेयस अय्यर ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई और बतौर कप्तान एक बेहतरीन रिकॉर्ड अपने नाम किया। श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान आईपीएल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बना ली।

बतौर कप्तान श्रेयस की आईपीएल में ये लगातार 8वीं जीत रही और उन्होंने एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने कप्तान के रूप में साल 2013 में लगातार 7 मैचों में जीत हासिल की थी। वहीं श्रेयस ने शेन वॉर्न की बराबरी कर ली जिन्होंने साल 2008 में लगातार 8 मैच जीते थे।

आईपीएल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान

10 - गौतम गंभीर (2014-15)
8 - शेन वॉर्न (2008)
8 - श्रेयस अय्यर (2024-25)
7 - एमएस धोनी (2013)
श्रेयस ने तोड़ा एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड

श्रेयस अय्यर ने लखनऊ के खिलाफ हुए मैच में 30 गेंदों पर 4 छक्के और 3 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन की पारी खेली और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 173.33 का रहा। अपनी पारी में लगाए 4 छक्कों के दम पर श्रेयस अय्यर आईपीएल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में 7वें नंबर पर आ गए और एडम गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ दिया।

श्रेयस ने बतौर कप्तान इस लीग में अब तक 83 छक्के लगाए हैं जबकि गिलक्रिस्ट ने 79 सिक्स जड़े थे। इस सूची में पहले स्थान पर एमएस धोनी हैं जिन्होंने 218 छक्के लगाए हैं।

आईपीएल में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के (पारी)

218 - एमएस धोनी (196)
168 - विराट कोहली (142)
158 - रोहित शर्मा (157)
109 - डेविड वॉर्नर (83)
105 - केएल राहुल (64)
91 - संजू सैमसन (60)
83 - श्रेयस अय्यर (71)
79 - एडम गिलक्रिस्ट (74)

बीसीसीआई ने फिर दिखाया ईशान किशन को ठेंगा

टीम इंडिया में वापसी, अब तो भूल ही जाओ!

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट अभी जारी नहीं हुई है, लेकिन विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर अपडेट है कि वो A+ ग्रेड में बने रहने वाले हैं. मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि श्रेयस अय्यर को उनका कॉन्ट्रैक्ट वापस मिलने वाला है. इस बीच विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के भविष्य पर भी खबर सामने आई है. याद दिला दें कि पिछले वर्ष श्रेयस अय्यर और ईशान किशन, दोनों को डोमेस्टिक क्रिकेट ना खेलने के कारण बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर कर दिया था. स्पोर्ट्स तक के मुताबिक बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को अपना कॉन्ट्रैक्ट वापस दे सकती है. दूसरी ओर ईशान किशन को कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है. किशन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में आखिरी बार भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते दिखे थे.

ईशान किशन को करना पड़ेगा इंतजार

स्पोर्ट्स तक के हवाले से एक सूत्र ने बताया, ईशान किशन को अभी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए इंतजार करना पड़ेगा. उन्होंने दिक्कतों को सुधारा है, लेकिन अभी तक वह प्रदर्शन नहीं कर सके हैं, जिससे उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में वापस लाया जा सके. बीसीसीआई की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर होने के बाद ईशान किशन ने आईपीएल 2024 में सिर्फ 23 के औसत से 320 रन बनाए थे. इसके अलावा डोमेस्टिक मैचों में भी किशन कमाल का प्रदर्शन नहीं कर सके हैं. साल 2024 से किशन का टी20 में औसत सिर्फ 28.04 का रहा है.

इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज से बड़ा झटका, बेन स्टोक्स चैंपियनशिप से बाहर

लंदन, एजेंसी। भारत बनाम इंग्लैड के साथ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने यह जानकारी दी। कैंपबले को भरोसा है कि ऑलराउंडर स्टोक्स इंग्लैंड के ग्रीष्मकालीन मुकाबलों के लिए पूरी तरह से फिट हो जाऐंगे।

ऑलराउंडर स्टोक्स (33) छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान हुई वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह गेंदबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑलराउंडर स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्से अब अपनी पैर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह भी पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे।

मुख्य कोच ने कहा, 'वे फिलहाल गंभीर चोटों से उबर रहे हैं। हालांकि उन्हें टेस्ट मैचों के शुरू होने से पहले अपने आप को फिट रखना होगा। इंग्लैंड का टेस्ट समर 22 मई को ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होगा, उसके बाद भारत के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे के मद्देनजर स्टोक्स आठ महीनों में 11 टेस्ट को खेलने के लिए अपनी वापसी को प्राथमिकता दे रहे हैं। ऑलराउंडर स्टोक्स ने सोमवार से डरहम में अपनी रिकवरी जारी रखते हुए फिर से प्रशिक्षण शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान का न्यूजीलैंड में बना तमाशा

दूसरे वनडे में हार के साथ गंवाई सीरीज, इस गेंदबाज ने मिटाई सारी कसक

हेमिल्टन, एजेंसी। लो भइया, हार गया एक और मैच, एक और सीरीज पाकिस्तान. न्यूजीलैंड में बन गया तमाशा, पाकिस्तान की पूरी क्रिकेट टीम का. टी20 सीरीज तो हार ही गए थे. हैमिल्टन वनडे में मिली हार के बाद अब उन्होंने वनडे सीरीज भी गंवा दी है. 3 वनडे की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले चुका है न्यूजीलैंड, जिसकी कहर बरपाती गेंदबाजी के आगे पाकिस्तानी बल्लेबाजों की एक ना चली.

बेशक 300 रनों से कम का टारगेट था तो मौका लग रहा था. लेकिन, न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने उस मौके को उनकी पहुंच से दूर कर दिया. खासकर 27 साल के बेन सियर्स ने, जिन्होंने इस मैच में अपनी सारी कसक मिटा ली. उन्होंने अपने वनडे करियर के पहले विकेट से लेकर 5 शिकार करने तक, सब इसी मैच में किए. हैमिल्टन में खेले दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 84 रन से हराया. पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 292 रन बनाए थे.

जवाब में 292 रन का पीछा करने उतरी पाक टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी. 41.2 ओवर में ही 208 रन पर उसकी पारी का अंत हो गया. इससे पहले नेपियर में खेले पहले वनडे में पाकिस्तान को 90 रन से हार मिली थी.

बेन सियर्स ने पाकिस्तान का खोला 'पंजा', मिटाई कसक: पाकिस्तान की टीम को लक्ष्य से 84 रन दूर रोकने में सबसे बड़ी भूमिका अपने तीसरा वनडे मैच खेल रहे गेंदबाज बेन सियर्स की रही. दाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन सियर्स ने हैमिल्टन वनडे में कमाल का प्रदर्शन किया. उन्होंने 9.2 ओवरों में 59 रन देकर 5 खिलाड़ियों को आउट किया. बेन सियर्स ने जहां पहली बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया, वहीं उन्होंने इस मैच में अपने वनडे करियर का पहला विकेट भी लिया. इससे पहले खेले 2 वनडे में उनके नाम कोई विकेट नहीं था.

हैमिल्टन वनडे में पाकिस्तान की हार की सबसे बड़ी वजह उसके टॉप के 5 बल्लेबाजों की नाकामी रही, जिनके लिए दहाई का आंकड़ा छूना पहाड़ चढ़ने जैसा रहा. टॉप ऑर्डर का कोई बल्लेबाज डबल डिजीट में रन नहीं बना सका, फिर चाहे वो बाबर आजम हों, इमाम-उल-हक, अब्दुल्लाह शफीक या मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा, सबके सब सिंगल डिजीट स्कोर पर आउट हुए. ये सभी बल्लेबाज 50 रन के अंदर मतलब सिर्फ 32 रन पर पवेलियन लौट चुके थे.

जिस टीम ने सड़क से उठाया, अब उसे ही छोड़ना चाहते हैं यशस्वी जायसवाल, चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। यशस्वी जायसवाल जैसा खिलाड़ी अगर किसी टीम में रहे तो उसके जीतने की संभावना ज्यादा रहती है क्योंकि वो एक मैच विनर हैं. लेकिन अब इस मैच विनर बल्लेबाज ने अपनी टीम छोड़ने की इजाजत मांगी है. खबर बेहद चौंकाने वाली है, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यशस्वी जायसवाल मुंबई रणजी टीम को छोड़ना चाहते हैं जिसके लिए उन्होंने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से एनओसी मांगी है. यशस्वी जायसवाल ने इसकी निजी वजह बताई है.

किस टीम से खेलेंगे जायसवाल?

रिपोर्ट्स की मानें तो यशस्वी जायसवाल ने मुंबई को छोड़कर गोवा जाने का फैसला किया है. वो आने वाले रणजी सीजन में गोवा के लिए खेलना चाहते हैं. पृथ्वी शॉ से पहले मुंबई के कई क्रिकेटर गोवा खेलने गए हैं. इसमें एक पॉपुलर नाम अर्जुन तेंदुलकर हैं जो कि पहले मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी खेलते थे लेकिन अब पिछले 3 सीजन से वो गोवा के लिए रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं. अब यशस्वी जायसवाल भी इसी टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं.

ऐसी खबरें हैं कि यशस्वी जायसवाल गोवा के कप्तान बन सकते हैं. हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है. ये जरूर है कि यशस्वी जायसवाल ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को एनओसी के लिए ईमेल किया है.

2019 में किया था मुंबई के लिए डेब्यू

यशस्वी जायसवाल ने साल 2019 में मुंबई के लिए डेब्यू किया था. फर्स्ट क्लास क्रिकेट का पहला मैच उन्होंने छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेला. पहले मैच में ये खिलाड़ी कुछ खास कमाल नहीं कर पाया लेकिन इसके बाद जायसवाल ने रनों का अंबार लगा दिया. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 36 फर्स्ट क्लास मैचों में 60 से ज्यादा की औसत से 3712 रन बनाए हैं. जायसवाल के बल्ले से 13 शतक और 12 अर्धशतक निकले हैं. बता दें यशस्वी जायसवाल को मुंबई की टीम ने ही मौका दिया जिसके बाद वो इतना बड़ा नाम बने. मुंबई ने इस खिलाड़ी को पूरा सपोर्ट किया, उन्हें टॉप ऑर्डर में जगह दी और अब ये खिलाड़ी इस टीम को छोड़ने वाला है.

भारत का सबसे युवा प्रोफेशनल बॉक्सर अब भी देख रहा ओलंपिक मेडल जीतने का सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में भारत के निशांत देव मेडल के दावेदार थे लेकिन वह अपने ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल में ही बाहर हो गए। इस हार ने निशांत का दिल तोड़ दिया। वह परिणाम से संतुष्ट नहीं थे। उन्हें लगा कि परिणाम उनके पक्ष में आना चाहिए था। इस दिल तोड़ने वाली हार के बाद वह कुछ समय के लिए ब्रेक पर गए। कुछ समय बाद खबर आई की निशांत प्रोफेशनल बॉक्सर बनने वाले हैं। निशांत ने अपने इस फैसले के पीछे की वजह भी बताई। निशांत यादव के मुताबिक जब वह 15 साल के थे तबसे

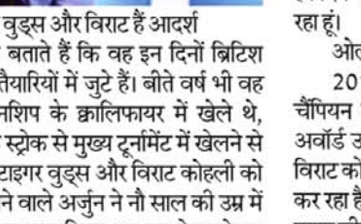

प्रोफेशनल बॉक्सर बनने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने यूट्यूब पर मोहम्मद अली, माइक टाइसन और कॉर्नर मैकग्रेगर की वीडियो देखी और सपना देखने लगे कि एक दिन वह भी ऐसे ही प्रोफेशनल बॉक्सर बनेंगे।

पेरिस ओलंपिक की हार नहीं प्रोफेशनल बनने की वजह

उन्होंने कहा, मेरे चाचा, जो जर्मनी में रहते थे, उन्होंने मुझे प्रोफेशनल बॉक्सिंग की कहानियां सुनाई, और तब से मेरा सपना शुरू हुआ.मैं 15 साल का था।

यह एक गलत धारणा है कि मैं ओलंपिक में मार्को (वर्डे) से हारने के कारण प्रोफेशवल मुक्केबाज बन गया। हां, हार निराशाजनक थी, और उस हार के बाद मैं बहुत बुरी स्थिति में था, लेकिन प्रोफेनल बनने का फैसला मैंने बहुत कर लिया था।'

लॉस एंजेलिस में शुरू हुआ सफर

उन्होंने कहा, पेरिस मेरे लिए मुश्किल था। मेरा पूरा परिवार वहां मौजूद था, और यह मेरे लिए बहुत बड़ी हार थी। जब परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आया, तो मैं पूरी तरह से खो गया। लेकिन मेरा परिवार मेरे साथ है, इसलिए उन्होंने मेरा ख्याल रखा।

जब मैं भारत लौटा, तब भी सभी ने यही पूछा, और मैं किसी भी बात का जवाब नहीं देना चाहता था। इसी दौरान उन्हें सबसे पहले कोच रोनाल्ड का फोन आया जो कि खुद एक प्रोफेशनल बॉक्सर रहे हैं।

कोरोना काल में ट्रॉफियां बेचकर की थी मदद, अब 20 साल के गोल्फर अर्जुन भाटी को मिलेगा यूथ अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप जीती थी, बेचकर जुटाई थी। गोल्फर अर्जुन भाटी की उम्र तो महज 20 साल है, लेकिन इस उम्र में उन्होंने गोल्फ कोर्स और उसके बाहर ऐसी उपलब्धियों को अंजाम दिया कि भारत सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड देने का फैसला लिया। तीन बार के जूनियर विश्व गोल्फ चैंपियन अर्जुन 150 के करीब ट्रॉफियां जीत चुके हैं।

पीएम राहत कोष में दिए थे रुपये

वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप जीती थी, बेचकर जुटाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके इस प्रयास को सराहते हुए सोशल मीडिया पर उनकी

तारीफ की थी। अर्जुन को बुधवार को राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड दिया जाएगा। राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड से सम्मानित होने पर भारतीय गोल्फर अर्जुन भाटी ने कहा, मैं इस पुरस्कार के लिए बहुत आभारी हूं और यह मेरे परिवार और मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मेरे प्रयासों ने फल दिया है। मैं नौ साल का था जब मैंने अपने स्कूल में पहली बार गोल्फ खेला था। मैं पिछले 11 सालों से खेल रहा हूं और यह यात्रा बहुत अच्छी रही है। मेरे सफर में मुझे बहुत से समर्थक मिले हैं। मुझे यह खेल बहुत पसंद है।

टाइगर वुड्स और विराट हैं आदर्श

अर्जुन बताते हैं कि वह इन दिनों ब्रिटिश ओपन की तैयारियों में जुटे हैं। बीते वर्ष भी वह इस चैंपियनशिप के क्वालिफायर में खेले थे, लेकिन एक स्ट्रोक से मुख्य टूर्नामेंट में खेलने से रह गए थे। टाइगर वुड्स और विराट कोहली को आदर्श मानने वाले अर्जुन ने नौ साल की उम्र में गोल्फ खेलना शुरू किया था। वह ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी ग्रींस गोल्फ कोर्स में रहते हैं। अर्जुन ने कहा, टाइगर वुड्स बहुत लंबे समय से मेरी प्रेरणा रहे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से विराट कोहली को पसंद करता हूं। मुझे उनके खेल के प्रति समर्पण, फिटनेस स्तर, काया और मानसिकता बहुत पसंद है। वह देश के सभी युवाओं के लिए बहुत प्रेरणादायक हैं। वह बहुत प्यारे और सच्चे इंसान हैं और उनका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। विराट कोहली फाउंडेशन कई अलग-अलग विषयों के लगभग 40 बच्चों की मदद करता है। उन्होंने देश के लिए जो कुछ किया है, मैं उसकी प्रशंसा करता हूं। मेरा भविष्य का लक्ष्य भारत के लिए ओलंपिक स्वर्ण पदक लाना है। मैं हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

ओलंपिक पदक जीतना है सपना

2016 में पहली बार जूनियर विश्व चैंपियन बनने वाले अर्जुन के मुताबिक यूथ अवॉर्ड उन्हें और अच्छा करने की प्रेरणा देगा। विराट कोहली फाउंडेशन 2019 से उनकी मदद कर रहा है। उनका सपना देश के लिए ओलंपिक पदक जीतना है और इसके लिए वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप: विश्व मुक्केबाजी कप में भारत की खराब शुरुआत, लक्ष्य चाहर पहले ही दौर में बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे। पहले विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के अभियान की शुरुआत खराब रही जब लक्ष्य चाहर 80 किलोवर्ग के पहले मुकाबले में मेजबान ब्राजील के वांडरले परेरा से हार गए।

मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैंपियन चाहर को प्री क्वार्टर फाइनल में पेरिस ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप 2023 के रजत पदक विजेता परेरा ने सर्वसम्मति से लिए गए फैसले में 5-0 से हराया। चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे। भारत के जादूमणि सिंह एम (50 किलो), निखिल दुबे (75 किलो) और जुगनू (85 किलो) दूसरे दिन चुनौती पेश करेंगे। जादूमणि का सामना पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप के उपविजेता ब्रिटेन के एलिस

ट्राउब्रिज से होगा। निखिल की टक्कर ब्राजील के काउ बेलिनी से होगी जबकि जुगनू फ्रांस के अब्दुलाये टी से खेलेंगे। विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित यह पहला टूर्नामेंट है। विश्व मुक्केबाजी को फरवरी में ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता मिली है। पेरिस ओलंपिक के बाद भारत के एलीट मुक्केबाज भी पहली बार प्रतियोगिता में उतरे हैं। इसमें पहली बार के विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू किए गए नए भारवर्गों में खेलेंगे।

छत्तीसगढ़ की असल खूबसूरती से रुबरू होने के लिए पहुंचे सरगुजा

छत्तीसगढ़ में मौजूद सरगुजा एक ऐसी अद्भुत और खूबसूरत जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सरगुजा की खासियत और पास में स्थित कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ देश का एक प्रमुख और बेहद खूबसूरत राज्य है। साल 2000 में यह राज्य मध्यप्रदेश से अलग होकर बना था। इसको देश का 26वां राज्य माना जाता है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर है। छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक, प्राकृतिक विविधता और पारंपरिक इतिहास के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है, जो जंगलों से घिरा है और लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है।

छत्तीसगढ़ में स्थित मैनपाट, बर्नवापारा वन्यजीव अभयारण्य, चित्रकूट, रायपुर और भिलाई जैसी फेमस जगहों को एक्सप्लोर करने के लिए हर महीने हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ में मौजूद सरगुजा एक ऐसी अद्भुत और खूबसूरत जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सरगुजा की खासियत और पास में स्थित कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

सरगुजा

सरगुजा छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख जिला है, जिसका मुख्यालय अंबिकापुर है। यह राज्य के उत्तरी भाग में स्थित है। इसके अलावा यह झारखंड, उत्तर प्रदेश और ओडिशा की सीमा के काफी करीब है। सरगुजा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से करीब 327 किमी दूर है

सरगुजा का इतिहास

सरगुजा अपनी खूबसूरती के अलावा इतिहास के बारे में भी जाना जाता है। इसलिए आपको सरगुजा का इतिहास जानना बहुत जरूरी है। रामायण काल में इस स्थान को दंडकारण्य के नाम से जाना जाता था। तो वहीं कई अन्य लोगों का मानना है कि इसको पहले डांडोर के नाम से भी जाना जाता था।

एक अन्य मिथक के मुताबिक मौर्य वंश के आगमन से पहले यह क्षेत्र नंदा वंश के भगवान नंदा वंश के अधीन था। इस क्षेत्र में कई नक्काशी और पुरातन अवशेषों को भी देखा जा सकता है।

इस जगह की खासियत

सरगुजा के बारे में बताया जाता है कि यह जिले का करीब आधे से अधिक हिस्सा जंगलों से घिर है। इसकी सीमा पर ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश है।

सरगुजा के बारे में बताया जाता है कि यहां के जंगलों में पांडो और कोरवा जैसी आदिवासी जनजातियां रहती हैं। यहां का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। पर्यटक यहां पर सुकून के पल बिताने के लिए पहुंचते हैं।

क्यों है इतना खास

पर्यटकों के लिए यह जगह जन्नत मानी जाती है। जो पर्यटक प्रकृति से प्रेम करते हैं, उनके लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। आप यहां पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़, हरियाली, झील-झरने और लुभावने दृश्यों को देखकर खुशी से झूम उठेंगे।

सरगुजा अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। यहां पर आप हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिग आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

बता दें कि सरगुजा में ऐसी कई हसीन और शानदार जगहें मौजूद हैं, जिन्हें आपको एक्सप्लोर करना चाहिए। आप यहां पर तिब्बत मंदिर, टाइगर पॉइंट, चेंद्रा वॉटरफॉल, महामाया मंदिर, रामगढ़ पहाड़, दुर्गा मंदिर और फिश पॉइंट जैसी धार्मिक और बेहद खूबसूरत जगहें एक्सप्लोर कर सकते हैं।

ओडिशा का जैव विविधता से भरपूर पर्यटन स्थल है भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान ओडिशा के कटक जिले में स्थित एक अद्वितीय और अत्यधिक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय स्थल है। यह पार्क अपनी जैव विविधता, सुंदरता और संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। भितरकनिका का नाम ही इसके आंतरिक जीवों और वनस्पतियों की अद्वितीयता को दर्शाता है। यह राष्ट्रीय उद्यान न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का खजाना है, बल्कि पर्यावरणीय संरक्षण के लिहाज से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह स्थल वेटलैंड्स, मंगलमरीच्य और जंगलों के मिश्रण के कारण जैव विविधता से भरपूर है, जो यहां की वनस्पतियों और जीवों के लिए आदर्श पर्यावरण प्रदान करता है।

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान का इतिहास

भितरकनिका क्षेत्र को पहले एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में विकसित किया गया था, लेकिन 1988 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया। यह क्षेत्र भारतीय उपमहाद्वीप के सबसे महत्वपूर्ण वेटलैंड्स में से एक माना जाता है, और इसे रामसर साइट के रूप में भी पहचाना जाता है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि के रूप में चिन्हित किया गया है।

भितरकनिका का जैव विविधता

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिकी तंत्र पाए जाते हैं। यहां के मंगलमरीच्य (स्ह्वड्डद्दह्र१द्ब स्नश्ह्द्गह्यह्लह्य) और वेटलैंड्स की उपस्थिति इस क्षेत्र को एक अद्वितीय जैव विविधता का केंद्र बनाती है।

1. वनस्पति और जीवों की विविधता

भितरकनिका में उगने वाली प्रमुख वनस्पतियों में मंगल वृक्ष, कुंभि, रिहं, और साल शामिल हैं। यहां के अद्वितीय मंगलमरीच्य वन मछलियों, क्रस्टेशियन्स (जैसे झींगे और केकड़े), और अन्य जलीय जीवों के लिए आदर्श आवास प्रदान करते हैं।

2. पक्षी जीवन

भितरकनिका पक्षी प्रेमियों के लिए भी एक स्वर्ग है। यह राष्ट्रीय उद्यान खासकर प्रवासी पक्षियों का घर है। यहां व्हाइट बेली सीगल, ग्रेटर फलकन जैसे पक्षी सर्दियों के दौरान आते हैं। इसके अलावा, यहां अन्य पक्षियों जैसे पल्टून हेरन, स्पॉटेड ईगल, और किंगफिशर भी पाए जाते हैं। इन पक्षियों की देखभाल और संरक्षण के लिए यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है।

3. क्रोकोडाइल संरक्षण

भितरकनिका में अलिगेटर और गंगा क्यूट की कई प्रजातियाँ पाई जाती हैं। यह क्षेत्र गंगा क्यूट किंग कोबरा और किंग कोबरा जैसे सांपों और अन्य जल जंतुओं का भी घर है। भितरकनिका में इन प्रजातियों के संरक्षण के लिए कई कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

भितरकनिका का प्रमुख आकर्षण

1. किंग क्रोकोडाइल वॉचिंग

भितरकनिका का सबसे बड़ा आकर्षण है यहां के किंग क्रोकोडाइल्स, जो मुख्य रूप से सम्पूर्ण भारत में पाई जाने वाली दुर्लभ प्रजातियाँ हैं। इन्हें देखने के लिए पर्यटक विशेष नाव सवारी पर जा सकते हैं। यह एक रोमांचक और अद्वितीय अनुभव होता है, क्योंकि आप इन विशालकाय और अद्भुत प्राणियों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकते हैं।

2. नाव सवारी

भितरकनिका में नाव सवारी का अनुभव बेहद रोमांचक और सुंदर होता है। आप जंगल की सघनता, नदियों की शांतता और जीवों की अद्वितीयता को नाव की सवारी के दौरान महसूस कर सकते हैं। नाव से आप विभिन्न पक्षियों, जलीय जीवों और क्रोकोडाइल्स को देख सकते हैं।

3. खिरणी और कलिंग बीच

यहां के पास स्थित खिरणी और कलिंग बीच पर्यटकों को समुद्र के किनारे शांति और आराम का अनुभव प्रदान करते हैं। यह स्थान उन पर्यटकों के लिए आदर्श है, जो समुद्र और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं।

भितरकनिका का जलवायु

भितरकनिका का मौसम समशीतोष्ण है। गर्मियों के दौरान यहाँ का तापमान 30-40एष्ट तक पहुँच सकता है, जबकि सर्दियों में यह 15-20एष्ट तक रहता है। मानसून का मौसम यहां जून से सितंबर तक रहता है, जब भारी बारिश होती है और पर्यटकों के लिए यात्रा करना कठिन हो सकता है। इसलिए, भितरकनिका यात्रा के लिए नवंबर से फरवरी तक का समय सबसे उपयुक्त है।

यात्रा के लिए पहुंचने का तरीका

हवाई मार्ग- भितरकनिका का नजदीकी हवाई अड्डा भुवनेश्वर है, जो लगभग 160 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां से आप टैक्सी या निजी वाहन द्वारा भितरकनिका तक पहुँच सकते हैं।

रेल मार्ग- भितरकनिका का नजदीकी रेलवे स्टेशन कटक है, जो भितरकनिका से लगभग 100 किलोमीटर दूर है। यहां से टैक्सी या बस द्वारा राष्ट्रीय उद्यान तक पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- भितरकनिका सड़क मार्ग से कटक, भुवनेश्वर और अन्य प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। आप निजी वाहन या बस से भी यहाँ पहुँच सकते हैं।

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान ओडिशा का एक अनूठा और जैविक रूप से समृद्ध स्थल है, जहाँ पर्यटकों को प्रकृति के करीब जाने और दुर्लभ वन्यजीवों और पक्षियों को देखने का अवसर मिलता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, विविधता और शांति हर किसी को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करती है। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं या वन्यजीवों में रुचि रखते हैं, तो भितरकनिका का दौरा आपके लिए रोमांचकारी साबित होगा।

जोधपुर एक ऐसा शहर है, जिसे भारत का ब्लू सिटी के नाम से जाना जाता है

वैसे तो भारत में कई खूबसूरत जगहें मौजूद है। भारत में कई ऐसे राज्य और शहर है जो अपनी खूबसूरती और उसकी ऐतिहासिक धरोहरों के लिए जाने जाते हैं। भारत में ब्लू सिटी का नाम आपने जरुर सुना होगा। इस शहर में चारों तरफ नीले रंग के घर, ऐतिहासिक किले और अनोखी संस्कृति के लिए जाना जाता है।

राजस्थान अपनी ऐतिहासिक किले और संस्कृति के लिए जाना जाता है। राजस्थान के दिल में बसा जोधपुर एक ऐसा शहर है, जिसे भारत का ब्लू सिटी के नाम से जाना जाता है। भारत का नीला शहर जोधपुर, राजस्थान राज्य में एक मनमोहक जगह है। यह शहर अपने आकर्षक नीले रंग के घरों के लिए जाना जाता है। जोधपुर शहर इतिहास, संस्कृति और स्थापत्य कला की दृष्टि से समृद्ध है, जिसमें शानदार मेहरानगढ़ किला काफी सुंदर है। राव जोधा द्वारा 1459 में स्थापित जोधपुर, मारवाड़ क्षेत्र की राजधानी के रूप में कार्य किया और राजपूताना इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज यह एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है और राजसी ठाठ-बाट के लिए नहीं, बल्कि अपनी अनोखी वास्तुकला और नीले रगं के मकान के लिए जाना जाता है।

जोधपुर में घूमने की बेहतरीन जगहें

जोधपुर जिसे ब्लू सिटी और सन सिटी के नाम से भी जाना जाता है, राजस्थान के सबसे आकर्षक स्थलों में से एक है। इस लेख में हम आपको जोधपुर में घूमने के लिए कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मेहरानगढ़ किला

यह किली जोधपुर की सबसे लोकप्रिय ऐतिहासिक धरोहरों में से एक है। ऊंची पहाड़ों पर स्थित यह किला पूरे शहर का शानदार नजारा दिखाता है। इस किले में संग्रहालयों हैं और सुंदर नक्काशी को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे।

उम्मेद भवन पैलेस

यह एक शानदार महल जो अब एक लक्जरी होटल, संग्रहालय और शाही निवास में गिना जाता है। यह अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। इसमें संग्रहालय, शाही परिवार और पुरानी कारों का इतिहास प्रदर्शित किया गया है।

जसवंत थड़ा

संगमरमर से बना यह स्मारक जोधपुर के राजघराने की याद में बनाया गया था। यह अपनी खूबसूरत नक्काशी और अद्भुत वातावरण के लिए जाना जाता है।

मंडोर गार्डन

मंडोर में खूबसूरत उद्यानों, मंदिरों और ऐतिहासिक स्मारकों के साथ ही आराम करने और राजस्थानी विरासत का आनंद लेने के लिए एक शानदार जगह। यह स्थान जोधपुर के इतिहास से जुड़ी कई कहानियां बयां करती है।

सदर बाजार

अगर आप जोधपुर की ट्रेडिशनल कपड़े खरीदना चाहते हैं, तो आप सदर बाजार जा सकते हैं। यहां पर आपको राजस्थानी हस्तशिल्प, कपड़े, गहने और मसाले मिलेंगे।

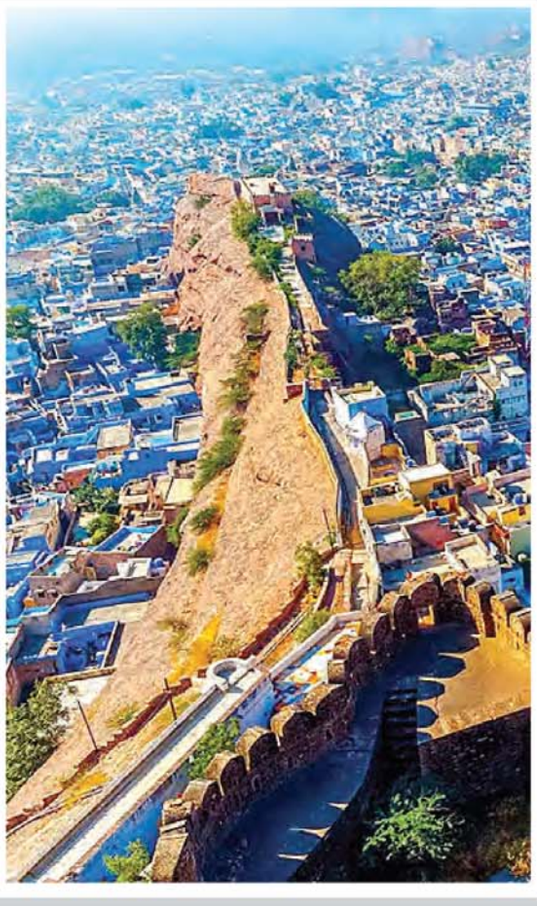

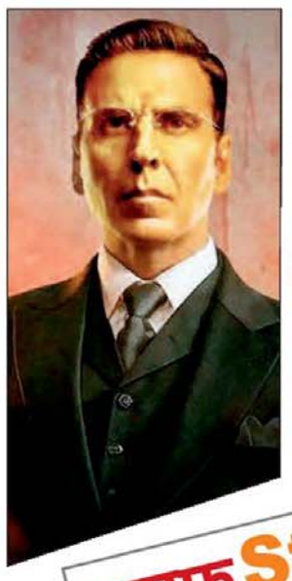

अक्षय ने किया 'केसरी चैप्टर 3' का ऐलान...

मुंबई। 3 अप्रैल को दिल्ली में अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'केसरी 2' का ट्रेलर लॉन्च हुआ। इस ट्रेलर रिलीज इवेंट और प्रेस कॉन्फ्रेंस में अक्षय के अलावा आर माधवन, अनन्या पांडे और फिल्म के डायरेक्टर करण सिंह त्यागी व प्रोड्यूसर करण जौहर भी मौजूद थे। इस दौरान फिल्म के बारे में बात करते हुए अक्षय ने 'केसरी 3' का भी ऐलान कर दिया। फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म हरि सिंह नलवा के जीवन पर आधारित होगी, जो सिख साम्राज्य की सेना, सिख खालसा फौज के पहले कमांडर-इन-चीफ थे। हरि सिंह नलवा एक सिख कमांडर थे, जो महाराजा रणजीत सिंह की सेना में एक सम्मानित नेता थे।

लाइफ Style

अंजलि

आठ साल की उम्र में झेला दर्द

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'डब्बा कार्टेल' और 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' फेम अभिनेत्री अंजलि आनंद ने हाल ही में बचपन में अपने साथ हुए कुछ दर्दनाक अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक डांस टीचर ने उनकी जिंदगी को प्रभावित किया और कैसे उनके पहले बॉयफ्रेंड ने उन्हें बचाया।

अंजलि ने अपने बचपन के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि उनका एक डांस टीचर था, जिसने उन्हें परिवार बनाने की कोशिश की। अंजलि ने बताया कि उस टीचर ने उनके साथ हर चीज करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि क्या करना है। मैं आठ साल की थी। मेरे पिताजी के गुजर जाने के ठीक बाद उसने कहा मैं तुम्हारा पिता हूं और मैंने उनकी बात पर विश्वास कर लिया, क्योंकि मुझे इससे बेहतर कुछ नहीं पता था। फिर उन्होंने बहुत धीरे-धीरे शुरू किया। उन्होंने मेरे होंठों पर किस किया और कहा, यह वही है जो पिता करते हैं। मुझे पता ही नहीं था कि पिता-बेटी का रिश्ता कैसा होता है।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि यह कई वर्षों तक चलता रहा और डांस टीचर ने उनकी जिंदगी को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, 'वह मुझे अपने बाल खुले नहीं रखने देता था। वह मुझे लड़कियों के कपड़े नहीं पहनने देता था, वह मुझे अपनी पुरानी टी-शर्ट पहनाता था ताकि मैं दूसरों को आकर्षक न दिखूं। जब मेरी बहन की शादी हुई और मेरे पिता के सबसे अच्छे दोस्त का बेटा शादी में आया, तो उसे मुझ पर क्रश हो गया और उसने मुझसे बात करनी शुरू कर दी। तब मुझे पता चला कि क्या नॉर्मल है।'

हॉलीवुड मसाला

'कराटे किडः लीजेंड्स' का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिल्स। मशहूर 'कराटे किड' फ्रेंचाइजी एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। नई फिल्म 'कराटे किडः लीजेंड्स' का ऑफिशियल ट्रेलर सोनी ने रिलीज कर दिया है। इस फिल्म में पुराने हीरो राल्फ मैकियो फिर से डेनियल लारूसो की भूमिका में नजर आएंगे। वह साल1984 की मूल फिल्म का हिस्सा थे। वहीं, इस फिल्म में उनके साथ जैकी चैन भी होंगे, जो 2010 की रीमेक फिल्म में मिस्टर हान बने थे। फिल्म में बेन वांग एक युवा कुंग फू फाइटर ली फॉन्ग का किरदार निभा रहे हैं।

मैं अपने बर्तन खुद धोती हूं : कैमिला

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड पॉप स्टार कैमिला कैबेलो, जिनका 103.40 करोड़ का नेटवर्थ है। उन्होंने हाल ही में में बताया कि उन्हें डिशवॉशर चलाना नहीं आता। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें बर्तन धोना बहुत पसंद है। कैबेलो, जो किशोरावस्था में ही फिफ्थ हार्मनी का हिस्सा थीं, ने 'स्मॉलजीज सर्जरी' में कहा, 'मैंने कुछ ट्रेनें ली हैं। मेट्रो नहीं। मैं झूठ नहीं बोलूंगी, मैं उबर के लिए काली एसयूवी में सफर करती हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैं करती हूं। फीमेलफर्स्ट.को.यूके की रिपोर्ट के अनुसार, 28 वर्षीय पॉप स्टार ने कहा कि भले ही उन्हें सार्वजनिक परिवहन से नफरत है, लेकिन उन्हें बर्तन धोना 'बहुत पसंद है'। उन्होंने कहा, 'मैं सार्वजनिक परिवहन न होने के कारण खुद को एक बेवकूफ की तरह पेश कर रही हूं, लेकिन मुझे बर्तन धोना बहुत पसंद है।

पूरी जिंदगी काम करना चाहती हैं करीना

मुंबई। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने बुधवार को अपनी फिटनेस और जिंदगी के बारे में खुलकर बात की। 44 साल की करीना ने कहा कि वह हमेशा फिट रहना चाहती हैं, ताकि बुढ़ापे में भी काम और पारिवारिक जीवन का आनंद ले सकें। करीना ने कहा कि वह किसी की मदद या बैसाखी के बिना अपनी जिंदगी जीना चाहती हैं। उन्होंने कहा, उम्र मेरे लिए बस एक नंबर है। मैं फिट रहना चाहती हूं, ताकि 70 या 75 की उम्र में भी सेट पर जा सकूं। मुझे पूरी जिंदगी काम करना है। अपने नाती-पोतियों को उठाने के लिए भी ताकत चाहिए। इसके लिए रुजुता की सलाह से सही खाना खाती हूं। करीना का मानना है कि अच्छा खाना, योगा और थोड़ी एक्सरसाइज आपको अंदर से अच्छा महसूस कराते हैं। इस पर बात करते हुए करीना ने कहा, जिंदगी और उम्र मेरे लिए यही है।

हॉरर फिल्म 'छोरी 2' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। बेटियों का जन्म हर किसी के लिए खुशखबरी नहीं होता। यह समाज का एक कड़वा सच है। इतिहास में कई ऐसी कहानियां दफन हैं, जहां बेटियों को जन्म के साथ ही मौत की नींद सुला दिया जाता। फिल्मों और धारावाहिकों में इन कहानियों को उतारने की कोशिश होती रही हैं। कुछ इसी तरह की कहानी लेकर आ रही है हॉरर फिल्म 'छोरी 2'। गुरुवार 3 अप्रैल को इसका ट्रेलर जारी हुआ है। विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नुसरत भरूचा और सोहा अली खान अहम भूमिका में हैं। इसमें लैंगिक भेदभाव को दिखाया गया है। इसमें इमोशंस भी हैं और हॉरर भी। ट्रेलर के शुरुआती दृश्य में एक महिला एक छोटी बच्ची को कहानी सुनाती है। कहती है, 'एक घंणा बड़ा राज्य था। उसका एक राजा था। एक दिन उसके घर पर छोरी का जन्म होगा।

टीवी मसाला

तुलसी बन फिर एक्टिंग करेंगी स्मृति ईरानी...

नई दिल्ली। स्टार प्लस के सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी के फैंस के लिए खुशखबरी सामने आई है। क्योंकि, साल भी कभी बहू थी स्टार प्लस के सुपरहिट सीरियल्स में से एक था। सीरियल की शुरुआत साल 2000 में हुई थी और फिर आठ साल तक ये शो टीवी पर सफलतापूर्वक चला था। अब खबर है कि एकता कपूर का ये शो वापसी करने जा रहा है। शो के रिप्राइज वर्जन में स्मृति ईरानी एक बार फिर एक्टिंग करती नजर आ सकती हैं। एकता कपूर क्योंकि सास भी कभी बहू थी के रिप्राइज वर्जन की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो ये एक लिमिटेड सीरीज होगी, और इस पर तेजी से काम चल रहा है। स्मृति ईरानी ने अपने किरदार पर काम भी शुरू कर दिया है। मेकर्स ओपनिंग सीन को उसी तरह से शूट करने का प्लान कर रहे हैं जैसे ओरिजिनल सीरियल में था। क्योंकि सास भी कभी बहू थी में स्मृति ईरानी के साथ अमर उपाध्याय नजर आए थे। हालांकि, कुछ वक्त बाद उन्होंने शो से एग्जिट ले लिया था। इसके बाद, शो में रोनित रॉय की एंट्री हुई थी। रिपोर्ट्स की मानें तो सीरियल के रिप्राइज वर्जन में अमर उपाध्याय नजर आएंगे। अमर उपाध्याय हाल ही में डोरी 2 में नजर आए थे, मेकर्स से मनमुटाव के कारण अमर उपाध्या ने डोरी 2 छोड़ दिया है और अब वो क्योंकि सास भी कभी बहू थी की तैयारी कर रहे हैं।

'बिग बॉस' को टक्कर देने आ रहा ओटीटी पर नया शो 'हाउस अरेस्ट'

नई दिल्ली। सलमान खान होस्टेड रियलिटी शो 'बिग बॉस' की फैन फॉलोइंग काफी जबरदस्त है। वहीं, अब इस शो को टक्कर देने एक नया शो आ रहा है। ये शो ओटीटी पर आएगा। इसका नाम 'हाउस अरेस्ट' है, जिसकी खूब चर्चा हो रही है। इस शो का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। अब आप सोच रहे होंगे इस शो को भला होस्ट कौन कर रहा है। तो बता दें इसे कोई और नहीं, बल्कि 'बिग बॉस' के विवादित एक्स कंटेस्टेंट एजाज खान होस्ट

कर रहे हैं। 'हाउस अरेस्ट' को 'बिग बॉस' के तर्ज पर लाया गया है। वहीं, इसे 'बिग बॉस 7' सेकंड रनर-अप रहे एजाज खान होस्ट करेंगे। इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म उल्लू ऐप पर स्ट्रीम किया जाएगा। इस शो में भी यूट्यूबर, इंफ्लुएंसर टीवी के कुछ जाने-माने चेहरे नजर आएंगे। 'हाउस अरेस्ट' का टीजर 1 अप्रैल को रिलीज किया गया, जो काफी धमाकेदार है।

एम्पुरान से लेकर फिराक तक, गुजरात दंगों पर आधारित हैं ये फिल्में...

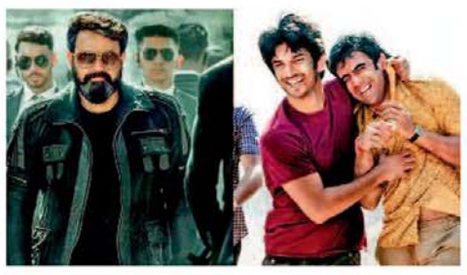

मुंबई। साउथ के स्टार पृथ्वीराज और मोहनलाल की फिल्म 'एल2: एम्पुरान' पर अभी भी विवाद जारी है। फिल्म में गुजरात दंगों की कहानी दिखाई गई है। फिल्म 27 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसके बाद लोगों ने फिल्म पर ऐतराज जताया था। विवाद के बाद फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म में 24 कट लगाए और संवाद बदले। आज हम आपको ऐसी ही फिल्मों के बारे में बताने वाले हैं जिनमें गुजरात दंगों की कहानी दिखाई गई है।

द साबरमती रिपोर्ट : यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। फिल्म में विक्रांत मेसी, राशि खन्ना और रिधि डोगरा अहम रोल में थीं। फिल्म का निर्देशन धीरज सरना ने किया था। फिल्म में साल 2002 में गोधरा ट्रेन अग्निकांड की कहानी और उसके बाद हुए गुजरात दंगों की कहानी दिखाई गई थी। इस फिल्म पर विवाद हुआ था।

एक्सीडेंट ऑर कांस्पेरेसी; गोधरा : यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई। फिल्म का निर्देशन एमके शिवाक्ष ने किया। फिल्म में रणवीर शौरी, मनोज जोशी और हितू कनोडिया ने अभिनय किया है। फिल्म में साल 2002 में गोधरा अग्निकांड की कहानी दिखाई गई है। इसके बाद गुजरात दंगों की कहानी दिखाई गई है।

काई पो चे: काई पो चे फिल्म साल 2013 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्माण अभिषेक कपूर ने किया था। फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत, राजकुमार राव, अमृता पुरी और अमित साध अहम रोल में थे। फिल्म में दिखाया है कि लोगों पर गुजरात दंगों का असर पड़ा। हालांकि, फिल्म के आखिर में इंसानियत की जीत दिखाई गई है। इस फिल्म पर विवाद हुआ था।

फिराक : यह फिल्म साल 2008 में रिलीज हुई थी। फिल्म का लेखन और निर्देशन नंदिता दास ने किया था। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, नवाजुद्दीन सिद्दकी, परेश रावल, संजय सुरी और दीप्ति नवल ने अदाकारी की थी। इस फिल्म में भी गुजरात दंगों और उसके बाद की हालत दिखाई गई है।

परजानिया : ये फिल्म साल 2005 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन राहुल ढोलकिया ने किया था। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, सारिका और कोरिन नेमेक ने अहम रोल अदा किया है। इस फिल्म में एक पारसी परिवार की कहानी दिखाई गई है। गुजरात दंगों के दौरान उनका बेटा गायब हो जाता है। फिर परिवार बेटे को ढूंढ़ता है।

ऐश्वर्या -आराध्या बच्चन की तस्वीरों ने जीता फैंस का दिल

मुंबई। हाल ही में ऐश्वर्या राय बच्चन को अपने एक रिश्तेदार की शादी में देखा गया। वह बेटी आराध्या और पति अभिषेक बच्चन के साथ नजर आईं। इस शादी से ऐश्वर्या और उनके परिवार की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। ये तस्वीरें ऐश्वर्या के फैंस को खूब पसंद आईं। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन को बेटी आराध्या के साथ एक शादी में देखा गया। यह शादी ऐश्वर्या राय के मामा के बेटे की बताई जा रही है। इस शादी से कई वीडियो और फोटो वायरल हो रहे हैं, जिन्हें ऐश्वर्या के फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। हाल ही में शादी की कुछ और तस्वीरें भी वायरल हुई हैं। इनमें ऐश्वर्या और आराध्या का लुक काफी कमाल का नजर आ रहा है। शादी की जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं, उनमें ऐश्वर्या राय और आराध्या बच्चन लाल रंग की ट्रेडिशनल ड्रेस में दिख रही हैं। दोनों ने बहुत नेचुरल मेकअप किया हुआ है। तस्वीरों में ऐश्वर्या के मामा के

परिवार के लोग भी शामिल हैं। अभिषेक ने भी सफेद शेरवानी पहनी है, वह भी तस्वीरों में नजर आ रहे हैं। ऐश्वर्या, अभिषेक और आराध्या एक हैप्पी फैमिली की तरह तस्वीरों में दिख रहे हैं।

यह हिंदी सिनेमा की है बेहतरीन फिल्म

65 साल पहले आई थी एक ऐसी फिल्म, जिसकी टिकट के लिए रात में सड़कों पर सो जाते थे लोग, लगती थी 5 किमी लंबी लाइन

नई दिल्ली। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई क्लासिक मूवीज बनीं, लेकिन 65 साल पहले रिलीज 'मुगल-ए-आजम' का आजतक कोई तोड़ नहीं है। इसे हिंदी सिनेमा की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जाता है। के आसिफ के निर्देशन में बनी ये अपने समय की सबसे महंगी फिल्मों में से एक थी और इसके पूरे निर्माण के दौरान कई बार देरी का सामना करना पड़ा। हालांकि, ये देरी इसके लायक थी, क्योंक फिल्म तुरंत हिट हो गई। इसका क्रेज ऐसा था कि दर्शक दिलीप कुमार, पृथ्वीराज कपूर और मधुबाला की फिल्म की टिकट पाने के लिए कई दिनों तक कतार में खड़े रहते थे। हाल ही में रजा मुराद ने इस दीवानगी को लेकर खुलासा किया है। यहां बता दें कि जब साल 1960 में 'मुगल-ए-आजम' रिलीज हुई थी, तब रजा मुराद 10 साल के थे। उनके पिता हामिद अली मुराद भी इस आइकॉनिक मूवी का हिस्सा थे। उन्होंने राजा मान सिंह का किरदार निभाया था। रजा मुराद ने बताया कि फिल्म के टिकट खरीदने के लिए कतार दो दिनों तक चली और 5 किलोमीटर से ज्यादा लंबी हो गई।

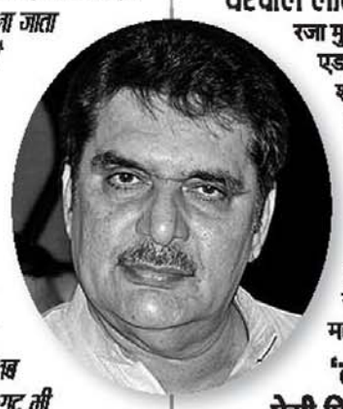

सड़कों पर सोते थे लोग घरवाले लाते थे खाना

रजा मुराद ने कहा, 'सोमवार की एडवांस बुकिंग के लिए लोग शनिवार से ही कतार में लग गए थे। मैंने खुद भी ऐसा देखा है। लोग सड़कों पर सोते थे, उनके परिवार के सदस्य उनके लिए खाना लाते थे और वे सोमवार के शो के लिए टिकट खरीदने का इंतजार करते थे। बॉम्बे सेंट्रल से शुरू हुई कतार महालक्ष्मी तक चली गई।'

'नहीं बनना चाहिए ऐसी फिल्मों का रीमेक'

उन्होंने ये भी कहा कि इस तरह की फिल्म का कभी रीमेक नहीं बनाया जाना चाहिए और जो कोई भी ऐसा करने की कोशिश करेगा, वह बुरी तरह विफल होगा।

भगवान ने मधुबाला, के आसिफ और पृथ्वीराज को मिशन पर भेजा था

वो बोले, 'मुझे लगता है कि भगवान ने मधुबाला, आसिफ और पृथ्वीराज कपूर को एक मिशन पर भेजा था। उनका मिशन 'मुगल-ए-आजम' बनाना था। फिल्म के तुरंत बाद, वे सभी भगवान के पास वापस चले गए।' बता दें कि मधुबाला, के आसिफ और पृथ्वीराज कपूर का निधन फिल्म रिलीज के 12 साल के अंदर हो गया था।

मोनोक्रोम में हुई थी शूटिंग

'मुगल-ए-आजम' उस समय तक भारत में बनी सबसे भव्य फिल्म थी। पूरी फिल्म मोनोक्रोम में शूट की गई थी। के आसिफ ने मधुबाला के साथ 'प्यार किया तो डरना क्या' गाने को रंगीन तरीके से शूट किया था।

दिलीप और मधुबाला का रिश्ता हुआ था खत्म

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान ही दिलीप और मधुबाला ने अपने रिश्ते को खत्म कर दिया था। वे स्क्रीन पर प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभा रहे थे, लेकिन एक-दूसरे से बात भी नहीं करते थे।

संसद में उठी ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक मेट्रो लाने की आवाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. महेश

शर्मा ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा में काफी समय से लंबित मेट्रो प्रोजेक्ट का मुद्दा उठाया। इससे पहले भी सांसद डा. महेश शर्मा ने बिल्डर-बायर्स के मुद्दों को भी सदन में जोरदार तरीके से उठाया था जिससे काफी गति मिली थी और लोगों की रजिस्ट्री का कार्य भी शुरू हो गया था। संसद में डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश की शो विन्डो है एनसीआर का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। विश्व पटल पर अपनी पहचान बना चुका है।

उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट जिसका संचालन जल्द ही प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कर कमल द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट जाने के लिए नोएडा कालिंदी कुंज यमुना के किनारे से ग्रेटर नोएडा और जेवर एयरपोर्ट तक एक नेशनल हाईवे का निर्माण हो जिससे कि एयरपोर्ट जाने के लिए लोगों को जाम में ना फंसना पड़े और एयरपोर्ट आसानी से पहुंचा जा सकें। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में परिवहन की कोई व्यवस्था नही है , निरंतर बढ़ती हुई आबादी और छात्रों की संख्या में इजाफा को देखते हुए यह मेट्रो लाइन जीवन रेखा में एक बड़ा बदलाव करेगी इसलिए इस कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराया जायें।

इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर भी कुछ गुणात्मक कार्य चल रहे हैं वह भी अगर समय से पूर्ण हो जाए तो जेवर एयरपोर्ट जाने के लिए ग्रेटर नोएडा वेस्ट से भी जल्द से जल्द जेवर एयरपोर्ट पहुंचा जा सकता है जिससे गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्र को भी फायदा होगा

उन्होंने बताया कि नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. एम लोकेश से जानकारी प्राप्त की है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने हिस्से का अंश भारत सरकार को दे चुका है, लेकिन पिछले कुछ महीनों से अधिक समय से शहरी विकास मंत्रालय में यह फाइल लंबित है।

डॉ. महेश शर्मा जी ने शहरी विकास मंत्रालय से आग्रह किया कि वे तत्काल ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो परियोजना पर कार्यवाही करें।

अच्छेजा में अतिक्रमण पर चला बुल्डोजर

4000 वर्ग मीटर जमीन को मुक्त कराया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्राम अच्छेजा में अधिसूचित एरिया पर अतिक्रमण के खिलाफ बृहस्पतिवार को बुल्डोजर चलाया। प्राधिकरण ने करीब 4 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा लिया है। कालोनाइजर इस जमीन पर अवैध निर्माण करने की कोशिश कर रहे थे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं, जिस पर अमल करते हुए प्राधिकरण की टीम अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। बृहस्पतिवार को प्राधिकरण की टीम ने अच्छेजा में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के ग्राम अच्छेजा के खसरा संख्या 1420 और 1421 की लगभग 4000 वर्ग मीटर जमीन पर रामायणम के नाम से विला बनाकर अवैध कालोनी बसाई जा रही थी।

प्राधिकरण की तरफ से नोटिस जारी कर अवैध निर्माण पर रोक लगाई गई, लेकिन कालोनाइजर चोरी-छिपे बनाने की कोशिश कर रहे थे। बृहस्पतिवार को एसडीएम जितेंद्र गौतम, तहसीलदार पुष्पा यादव, वर्क सर्किल -1 के प्रभारी रतिक, वर्क सर्किल दो के प्रभारी सन्नी यादव और वर्क सर्किल-3 के प्रभारी राजेश कुमार निम के साथ ही तीनों वर्क सर्किल की टीमों ने एसीपी बिसरख दीक्षा और पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया और जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया। प्राधिकरण की टीम ने 06 जेसीबी और 2 डंपर की मदद से तीन घंटे में कार्रवाई संपन्न की। मुक्त कराई गई जमीन की कीमत 8 करोड़ रुपये से अधिक होने का आकलन है।

एसीईओ प्रेरणा सिंह ने चेताया है कि अच्छेजा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित एरिया में है।

नवरात्रि पर नवजात कन्याओं के लिए बांटी किट

नोएडा (चेतना मंच)। लायंस क्लब नौएडा एलीट के द्वारा नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में 'नवजात कन्या शिशुओ एवं उनकी माताओ' (जच्चा एवं बच्चा) को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया।

नवजात बच्चियों के लिए 2 जोडे कपड़े, खिलौने, साबुन, पाउडर व तेल, कम्बल, मचछरदानी दी गई एव मां के लिए देसी घी, अजवाइन, जीरा आदि समान दिया गया।

इस अवसर पर जिला सरकारी अस्पताल सैक्टर-39 की डा. रेणु अग्रवाल (मुख्य चिकित्सा अधीक्षक), डा. नरेंद्र कुमार (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) भी उपस्थित रहे एवं जिला 321सी1 के उपमंडलाध्यक्ष लायन विनय सिसौदिया, लायन शशि सिसौदिया, रीना शर्मा, लायन पिंकी गुप्ता, लायन निशि अग्रवाल, लायन राजेश मेहदिरत्ता, जोन चेयरपर्सेन लायन संजीव शर्मा, पूनम शर्मा (सचिव), मोना चावला (कोषाध्यक्ष), लायन कुशल वार्ष्णेय, लियो भावना मेहदिरत्ता, लिओ सिमरन मेहदिरत्ता आदि सदस्यों ने उपस्थित होकर सेवा कार्य में हाथ बटाया।

15 साल से अटकी एलजी-शारदा रोड के निर्माण की बाधा दूर

● सीईओ की पहल पर टी-सीरीज से रोड बनाने पर बनी सहमति ● टेंडर जल्द जारी करने की तैयारी, रोड बनने में 6 माह लगेंगे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडावासियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। लगभग 15 साल से एलजी चौक से शारदा विश्वविद्यालय तक की रोड के निर्माण की बड़ी बाधा दूर हो गई है। सीईओ एनजी रवि कुमार की पहल पर रोड के लिए जमीन देने पर टी-सिरीज प्रबंधन राजी हो गया है। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी इस रोड को बनाने के लिए सैद्धांतिक और प्रशासनिक स्वीकृति भी हो गई है। लगभग 31 करोड़ रुपये की इस परियोजना के लिए टेंडर शीघ्र ही जारी होने जा रहा है। रोड का निर्माण शुरू होने के बाद पूरा होने में लगभग छह माह लगेंगे। इस रोड के बनने से एलजी चौक से शारदा विश्वविद्यालय की तरफ नालेज पार्क 1, 2 व 3 और नोएडा के बीच आना-जाना आसान हो जाएगा। शारदा विश्वविद्यालय से एलजी चौक की तरफ आने के लिए रोड 15 साल पहले से ही बनी हुई है।

दरअसल, एलजी चौक से शारदा विश्वविद्यालय की तरफ जाने का मार्ग अमूमन 15 साल से अटका हुआ है। यह जमीन टी-सीरीज कंपनी की है। कई बार कंपनी प्रबंधन से बात करके इस मसले का हल निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला । मामला कोर्ट में भी गया, लेकिन कंपनी रोड बनाने के लिए जमीन देने को तैयार नहीं हुई। एक ही तरफ की रोड बनी होने के कारण एलजी चौक से शारदा विश्वविद्यालय की तरफ आने-जाने के लिए वाहन इसी रोड से गुजरते हैं। इससे दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। सीईओ एनजी रवि कुमार ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का चार्ज संभालने के बाद से ही इन अधूरे रास्तों को पूरा करने में जुट गए। सीईओ ने एलजी चौक से शारदा विश्वविद्यालय की रोड को बनाने के लिए टी-सिरीज कंपनी प्रबंधन से वार्ता की पहल की। सीईओ के साथ ही एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, नियोजन विभाग की महाप्रबंधक लीनू सहगल, परियोजना विभाग की टीम ने टी-सिरीज कंपनी प्रबंधन से कई दौर की वार्ता की।

एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया कि रोड को बनाने के लिए सीईओ से सैद्धांतिक व प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। इसका टेंडर जल्द ही जारी होने जा रहा है। कंपनी का चयन निर्माण जल्द शुरू करने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि एलजी चौक से शारदा विश्वविद्यालय के बीच तीन-तीन लेन की रोड बनेगी। टोटल छह लेन की रोड बनेगी। दोनों तरफ सर्विस रोड और सेंट्रल वर्ज बनेगा। पहले से निर्मित रोड की री-सर्फेसिंग भी होगी। सर्विस रोड की ड्रेन के साथ ही मेन ड्रेन का भी निर्माण होगा। निर्माण शुरू होने के बाद कार्य पूरा होने में छह माह का वक्त लगने का अनुमान है। इस रोड के बनने से एलजी चौक से शारदा विश्वविद्यालय की तरफ नालेज पार्क 1, 2 व 3 के बीच आना-जाना आसान हो जाएगा। इसके साथ ही आने-हिंडन पर पुल का निर्माण हो रहा है। इस पुल के चालू होने के बाद नोएडा के सेक्टर-143 से एलजी चौक के बीच वाहनों की आवाजाही बढेगी। इस लिहाज से भी एलजी चौक से शारदा विश्वविद्यालय रोड काफी अहम है। इससे परी चौक पर ट्रैफिक का दबाव भी कम होगा।

वक्फ संसोधान बिल पास होने के बाद उत्तर प्रदेश में खास सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस अधिकारियों द्वारा मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में मार्च निकाला जा रहा है तथा सभी से अपील की जा रही है कि किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट के ADCP मनीष कुमार मिश्र द्वारा @ACP-2 ग्रेटर नोएडा ने पुलिस बल के साथ थाना दादरी क्षेत्रांतर्गत मस्जिद, मदरसा व मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर कानून व्यवस्था का जायजा तथा संभ्रांत व्यक्तियों के साथ वार्ता की।

भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला सुन भाव विभोर हुए भक्त

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 55 नोएडा स्थित कम्युनिटी सेंटर में श्रीमद् भागवत के

पांचवें दिन श्रीकृष्ण जी की बाल लीला, माखन लीला, गौ चारण एवं गोवर्धन पूजा धूमधाम से मनाई गई। व्यास जी अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक बालक दास जी महाराज ने बड़े विस्तार से कथा सुनाई, जिसमें श्रीकृष्ण के अद्भुत लीला क्रम को भक्तों ने अत्यंत श्रद्धा और समर्पण के साथ सुना। श्रीकृष्ण के बालपन की अद्भुत घटनाओं, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा और गायों की देखभाल से जुड़ी कहानियाँ सुनते हुए सभी भक्त भाव विभोर हो गए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उप्र महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती विमला बाथम, विशिष्ट अतिथि के रूप में गिरीश जुग्याल, संरक्षक जय भारत मंच सुरेंद्र कुमार प्रजापति, राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ प्रमोद कुमार प्रजापति, राष्ट्रीय प्रवक्ता राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ, सिपाही लाल प्रजापति लखमीचंद प्रजापति, दिनेश तांबे वालिया, धर्म सिंह गोला, विनोद प्रजापति, हरवीर सिंह, मनवीर सिंह, यादव टीटू, पंडित दीपचंद सिंह, सुरेश कुमार, दरवेश कुमार, अनुराधा प्रीति, रेनू सुमन, रेखा पायल, महिपाल सिंह, निखिल, दीपांशु जतिन कुमार, संदीप कुमार, नितिन कुमार सिद्धांत, लोकेश कुमार प्रजापति, सहित भक्त गण उपस्थित रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com